मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 9 अंक 60
मंगलवार, 08 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

डिफेंस सेक्टर में बड़ा कदम: 1.10 लाख करोड़ रुपये के रक्षा सौदे को मंजूरी; भारतीय सेना की बढ़ेगी ताकत

नई दिल्ली, 07 सितम्बर। रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) ने करीब तीनों सेनाओं की सैन्य क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए करीब 1.10 लाख करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से भारी रक्षा उपकरणों, सैन्य वाहनों, रडार से लेकर एडवांस लाइट हेलीकाप्टर आदि के खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को हुई डीएसी की बैठक में इन रक्षा उपकरणों के अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए 'आवश्यकता की स्वीकृति' (एओएन) यानी सैद्धांतिक प्रशासनिक मंजूरी प्रदान की। पूंजीगत रक्षा खरीद के तहत रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना के लिए केमिकल बायोलॉजिकल रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर (सीबीआरएन) रेकी वाहन, हाई मोबिलिटी वाहन, सेल्फ-प्रोपेल्ड मैकेनिकल माइन लेयर्स, ट्रॉवल टैंक और सर्वत्र ब्रिज सिस्टम आदि खरीदने का प्रस्ताव इसमें शामिल है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार तीनों सेनाओं के लिए रक्षा उपकरणों की इस बड़ी पूंजीगत खरीद में आत्म निर्भरता को प्रोत्साहित करने के लिए करीब 98 प्रतिशत इन रक्षा उपकरणों की खरीद भारतीय रक्षा उद्योग से की जाएगी।

डीएसी ने भारतीय सेना के लिए जिन भारी रक्षा संसाधनों की खरीद की जरूरत के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है उसमें बायोलॉजिकल रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर रेकी वाहन संभावित दूषित इलाकों का पता लगाने, उनकी पहचान और निगरानी करने के साथ उन्हें चिह्नित करने में सक्षम होंगे। जबकि हाइ मोबिलिटी वाहन चुनौतीपूर्ण इलाकों में ऑपरेशनल क्षमताओं, लॉजिस्टिक्स सपोर्ट और गतिशीलता को बढ़ाएंगे। मैकेनिकल माइन लेयर्स दुर्गम इलाकों में तेजी से और तुरंत माइन-लेइंग (बारूदी सुरंग बिछाने) के मामले में जरूरी ऑपरेशनल क्षमता हासिल करेंगे।

जबकि एडवांस्ड लाइट हेलीकाप्टर सेना और वायु सेना दोनों के लिए खरीदी जाएंगी ताकि सभी इलाकों और ऑपरेशनल स्थितियों में जटिल मिशनों को पूरा करने की क्षमता में इजाफा हो सके। वहीं ट्रॉवल टैंक और ब्रिज सिस्टम का इस्तेमाल अलग-अलग इलाकों में ऑपरेशन के दौरान तेजी से आगे बढ़ने वाले लड़ाकू दस्तों को कंपोजिट क्रॉसिंग सुविधा देने के लिए किया जाएगा।

रक्षा खरीद परिषद ने नौसेना के लिए अरुध्रा रडार और मरीन गैस टर्बाइन (एमजीटी) के डिजाइन, विकास और बाद में खरीद के लिए स्वीकृति दी है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार अरुध्रा रडार विभिन्न नौसेना एयर स्टेशनों पर मौजूदा एयर रूट सर्विलांस रडार की जगह लेगा और एमजीटी जो एक युद्धपोत प्रोपल्शन सिस्टम है को लेकर विदेशी वेंडरों पर निर्भरता को कम करेगा।

वहीं भारतीय वायुसेना के लिए लड़ाकू विमानों, परिवहन विमानों और हेलीकॉप्टरों की युद्धक क्षमता बढ़ाने से संबंधित कई प्रस्तावों को भी डीएसी की ओर से मंजूरी दी गई। इसमें ग्राउंड-बेस्ड मल्टी-पर्पज जैमर (जीबीएमपीजे) की खरीद तथा डिफेंस फोर्सेज सिक्योर एक्सेस कार्ड (डीईएफएसएसी) प्रणाली स्थापित करने का प्रस्ताव भी है।

जीबीएमपीजे दुश्मन के रडार के खिलाफ प्रभावी जैमिंग प्रदान करेगा। जबकि डीईएफएसएसी मौजूदा कागज-आधारित पहचान पत्रों/पासों/परमिटों को एक इंटरऑपरेबल रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) आधारित स्मार्ट कार्ड प्रणाली से बदलेगा।

'सवाल करो तो दिमागी नक्सल कहलाते हैं', दिल्ली सत्य निकेतन हादसे पर फूटा राहुल गांधी का गुस्सा

नई दिल्ली, 07 सितम्बर। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को दिल्ली के सत्य निकेतन में PG गिरने की घटना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और BJP सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सरकार पर ऐसे हादसों को रोकने और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने में नाकाम रहने का आरोप लगाया है।

पर एक पोस्ट में गांधी ने कहा कि BJP सरकार का एक पैटर्न है, हादसों से पहले कोई एहतियाती कदम नहीं उठाना और फिर त्रासदियों के बाद दिखावा करना, जबकि निचले स्तर के कुछ अधिकारियों को दोषी ठहराना और जिन्हें उन्होंने असली दोषी बताया, उन्हें जवाबदेही से बचने देना।'

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि जो लोग सरकार से सवाल करते हैं उन्हें वो 'दिमागी नक्सल' और 'नाराज फूफा' जैसे पमानजनक तमगे इ देते हैं, ताकि उन्हें बदनाम करके चुप कराया जा सके.

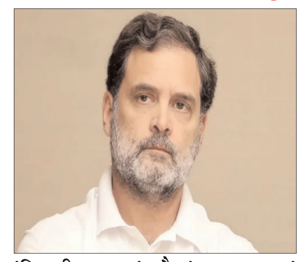

राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में कहा कि सत्य निकेतन में हुआ हादसा कोई अकेली घटना नहीं है। उन्होंने पिछले चार महीनों में सैदुलाजाब में इसी तरह की घटना में छह लोगों की मौत और हौज रानी में आग लगने से 22 लोगों की मौत का भी जिक्र किया।

राहुल ने आरोप लगाया कि हर हादसे के बाद कुछ अधिकारियों पर कार्रवाई की बात होती है, लेकिन असली जिम्मेदारी तय नहीं होती। राहुल ने कहा कि हादसों को रोकने के लिए पहले से जरूरी कदम उठाने के बजाय घटना के बाद केवल दिखावटी सक्रियता नजर आती है।

राहुल गांधी ने पोस्ट में आगे कहा कि कोई जवाबदेही नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार हर बार एक जैसा रवैया अपनाती है और हादसे के बाद जिम्मेदारी तय करने के बजाय कुछ निचले स्तर के अधिकारियों पर कार्रवाई कर देती है। उन्होंने सवाल किया कि दिल्ली में जब ट्रिपल इंजन की सरकार है तो ऐसी घटनाओं को रोकने में बेबसी क्यों दिखाई दे रही है। सत्य निकेतन हादसे में 7 लोगों की मौत हुई है. पुलिस के आधिकारिक जानकारी के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाले सात व्यक्तियों की पहचान अभिषेक, युवराज सोनी, पवन, अर्पित जहाज, अक्षत सिंह यादव, सुरिंदर सिंह और एक अज्ञात पुरुष के रूप में हुई है।

बीजापुर में सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी: जंगलों से नक्सलियों के 14 हथियार और बारूद के जखीरे बरामद

बीजापुर, 07 सितम्बर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों ने गहन तलाशी अभियान के दौरान जंगलों में छिपाकर रखे गए हथियार और गोला-बारूद के 14 अलग-अलग जखीरे बरामद किए हैं। सोमवार को पुलिस अधिकारियों ने इस बड़ी कार्रवाई की जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इन जखीरों से बड़ी संख्या में हथियार और विस्फोटक सामान जब्त किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दल ने शनिवार को जिले के एड़ी, हर्री, नयापारा और सरपंचपारा पीडिया तथा कुआपगुड़ा गांवों के जंगल से नक्सलियों द्वारा पूर्व में छिपाकर रखे गए हथियार,

गोलाबारूद के 14 जखीरे बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ के दल को तलाशी अभियान के लिए रवाना किया गया था। दल जब शनिवार को जिले के एड़ी, हर्री, नयापारा और सरपंचपारा पीडिया तथा कुआपगुड़ा गांवों के जंगल में था तब उन्हें नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से छिपाकर रखे गए हथियार और विस्फोटक सामग्री मिली। अधिकारियों ने बताया कि बरामद सामान में एक 303 बोल्ट एक्शन रायफल, पांच भरमार रायफल और एक 12 बोर देशी रायफल, आठ डेटोनेटर, कोडेक्स वायर, 10 बारूदी सुरंग, बिना बैटरी का एक वायरलेस सेट, चार प्लास्टिक कंटेनर और तीन बड़े स्टील कंटेनर शामिल हैं। इसके अलावा बारूदी सुरंग बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री, विभिन्न प्रकार की इलेक्ट्रिक सामग्री और नक्सलियों के कपड़े समेत कुल 99 प्रकार की वस्तुएं भी बरामद की गई हैं।

दलीप ट्रॉफी फाइनल: तिहरा शतक नहीं लगा सके ईशान किशन, ईस्ट जोन ने बनाया विशाल स्कोर

चेन्नई, 07 सितम्बर। दलीप ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन भी ईस्ट जोन के बल्लेबाजों का दम दिखा। कप्तान ईशान किशन भले ही तिहरा शतक नहीं लगा सके, लेकिन उनकी शानदार पारी के बदौलत ईस्ट जोन ने साउथ जोन के खिलाफ पहली पारी में 708 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। ईस्ट जोन की पहली पारी समाप्त होने के साथ ही दूसरे दिन का खेल खत्म होने की घोषणा कर दी गई।

ईस्ट जोन के लिए सबसे ज्यादा रन कप्तान ईशान किशन ने बनाए जो 334 गेंदों पर 30 चौकों और सात छक्के की मदद से 270 रन बनाकर आउट हुए। उनके अलावा कुमार कुशाग्र ने 132 गेंदों पर आठ चौकों और पांच छक्कों के सहारे 101 रन की पारी खेली। शुरूआती दो दिन

ईस्ट जोन के बल्लेबाजों का दम देखने मिला। दूसरे दिन ईशान रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौट गए थे, लेकिन बाद में वह फिर बल्लेबाजी के लिए उतरे। हालांकि, साउथ जोन की टीम दिन का खेल समाप्त होने तक ईस्ट जोन की पारी खत्म करने में सफल रही।

ईस्ट जोन के लिए मुकेश कुमार आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे जिन्हें त्रिपुराणा विजय ने अपना शिकार बनाया। ईस्ट जोन के लिए अनुकूल रॉय ने 45, मोहम्मद कौनेन कुरैशी ने 40 और मोहम्मद शमी ने 28 रन बनाए। साउथ जोन की ओर से त्रिपुराणा विजय ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए, जबकि चामा मिलिंद और श्रेयस गोपाल को दो-दो विकेट मिले। शेख रशीद एक विकेट लेने में सफल रहे। अब तीसरे दिन साउथ जोन को बल्लेबाजी में दम दिखाना होगा, जबकि ईस्ट जोन की टीम साउथ जोन को जल्द समेटना चाहेगी।

ईस्ट जोन ने दूसरे दिन चार विकेट पर 385 रन से शुरूआत की। ईशान ने कुमार कुशाग्र के साथ पांचवें विकेट के लिए 230 रन की साझेदारी की। कुमार कुशाग्र हालांकि, शतक लगाकर आउट हुए। टीम ने 471 के स्कोर पर अपना पांचवां विकेट गंवाया, जिसके बाद ईशान ने अनुकूल रॉय के साथ 140 रन जुटाकर टीम को 600 के पार पहुंचा दिया। ईशान 250 रन की पारी खेलकर रिटायर्ड हर्ट होकर ड्रेसिंग रूम लौटे। उन्होंने 301 गेंदों में 27 चौके और सात छक्के लगाए थे। इसके बाद मोहम्मद शमी (28) ने कुरैशी (40) के साथ 54 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 650 के पार पहुंचाया। टीम को 680 के स्कोर पर सातवां झटका लगा, जिसके बाद कप्तान ईशान एक बार फिर से बल्लेबाजी के लिए उतरे। टीम ने कप्तान के रूप में अपना नौवां विकेट गंवाया। त्रिपुरणा विजय ने पारी के 163वें ओवर में ईशान किशन के साथ मुकेश कुमार (0) का विकेट भी चटकाया।

दलीप ट्रॉफी के फाइनल में ईस्ट जोन की कप्तानी करते हुए ईशान किशन ने दोहरा शतक लगाकर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा दिया। 270 रन की तूफानी पारी के साथ ईशान अब दलीप ट्रॉफी फाइनल में यह कारनामा करने वाले चुनिंदा बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं। रविवार को पहले दिन का खेल खत्म होने तक शतक लगाकर नाबाद लौटे ईशान ने दूसरे दिन भी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और 200 रन का आंकड़ा पार कर लिया।

हैदराबाद में 'पिंक पावर रन 3.0' की घोषणा

मुंबई , 7 सितम्बर। हैदराबाद में 27 सितंबर को होने वाले पिंक पावर रन 3.0 में लगभग 20,000 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। यह एक अंतरराष्ट्रीय हाफ मैराथन और फिटनेस पहल है। Miles for Mammograms: प्रतिभागियों द्वारा तय की गई कुल दूरी को जरूरतमंद मरीजों के लिए मेडिकल डायग्नोस्टिक सहायता में बदला जाएगा। हर 100 किमी पर एक मुफ्त स्तन कैंसर जांच और एक मुफ्त मैमोग्राम टेस्ट कराया जाएगा। कार्यक्रम की घोषणा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई, जिसमें सुधा रेड्डी (संस्थापक, सुधा रेड्डी फाउंडेशन व टएक्छ निदेशक), मिस वर्ल्ड 2025 ओपल सुचाता चुआंगसरी और डॉ. प्रज्ञा चिगुरुपती (ब्रेस्ट ऑन्कोसर्जन) मौजूद थीं। इसी दौरान आधिकारिक जर्सी और मेडल का अनावरण किया गया। इस उपक्रम को HPCL, BPCL, IOCL, AIG और Decathlon का समर्थन प्राप्त हुआ है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण में पुरस्कार राशि रु. 75 लाख, 100 से अधिक विजेताओं के लिए रेस कैटेगरी, अक्टर-प्रमाणित 21.097 किमी हाफ मैराथन, 10 किमी, 5 किमी और 3 किमी दौड़। कार्यक्रम स्थल पीपल्स प्लाजा, नेकलेस रोड, हैदराबाद में 27 सितंबर 2026 को सम्पन्न होगा।

अमेरिका से समझौता करके बुरा फंसा बांग्लादेश, मजबूरी में करनी पड़ रही अरबों रुपए की खरीदारी

ढाका, 07 सितम्बर। अमेरिका की ओर से लगाए जाने वाले टैरिफ को लेकर कानूनी स्थिति बदलने के बावजूद बांग्लादेश ने अमेरिका से अरबों डॉलर की खरीदारी के अपने सिलसिले को जारी रखा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश ने अमेरिकी LNG, विमान और अनाज खरीदने के लिए कई बड़े समझौते किए हैं। बांग्लादेश स्थित द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, ढाका ने फरवरी में अमेरिका के साथ Agreement onReciprocal Trade (ART) पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते के तहत बांग्लादेश ने अमेरिका से करीब 15 अरब डॉलर की ऊर्जा और अन्य वस्तुओं की खरीदारी का संकेत दिया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश की कैबिनेट समिति ने 12 अगस्त

को अमेरिकी कंपनी Gunvor USA LLC के साथ करीब एक दशक लंबे LNG समझौते को मंजूरी दी। इस समझौते के तहत बांग्लादेश को 2038 तक 117 LNG कार्गो, यानी लगभग 75 लाख टन LNG, हासिल होगी। खास बात यह है कि यह समझौता किसी खुले टेंडर के जरिए नहीं हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश ने एक निजी ट्रेडिंग कंपनी के साथ बातचीत के आधार पर राज्य-से-राज्य जैसी व्यवस्था के तहत यह समझौता किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी अदालतें फरवरी के बाद दो बार वॉशिंगटन की वैश्विक टैरिफ धमकियों के कानूनी आधार को खारिज कर चुकी हैं। इसके बावजूद बांग्लादेश की अमेरिका से बड़े पैमाने पर खरीदारी जारी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह खरीदारी उस ART समझौते की पृष्ठभूमि में हो रही है, जिसके आधार पर बांग्लादेश ने अमेरिका से व्यापारिक रिश्ते बढ़ाने की दिशा में कदम उठाए थे।

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

सत्य निकेतन हादसा: जिम्मेदार अधिकारियों पर हो ठोस कार्रवाई

-ललित गर्ग

दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को पांच मंजिला छात्र-पीजी भवन का भरभराकर गिर जाना केवल एक दर्दनाक हादसा नहीं है। यह उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जो भवन बनने देती है, उसमें अनधिकृत निर्माण होने देती है, उसमें विद्यार्थियों को रहने देती है, उसकी कमजोरियों को वर्षों तक नजरअंदाज करती है और फिर उसके ढह जाने के बाद जागती है। इस हादसे में अब तक छह लोगों की मौत की सूचना है और कई लोग घायल हुए हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन में बेसमेंट और कई ऊपरी मंजिलों में मरम्मत या निर्माण संबंधी काम चल रहा था। प्रशासन ने मजिस्ट्रेट जांच और भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए हैं। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि हादसे के बाद किसके खिलाफ एफआईआर होगी? असली सवाल यह है कि हादसे से पहले जिम्मेदार अधिकारी कहां थे? यदि निर्माण नियमों का उल्लंघन था, यदि भवन का स्वीकृत नक्शा नहीं था, यदि अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थीं, यदि बेसमेंट में निर्माण चल रहा था, यदि भवन छात्रों के रहने के लिए इस्तेमाल हो रहा था और यदि वह संरचनात्मक रूप से जोखिमपूर्ण था, तो इन सबका पता प्रशासन को तब क्यों नहीं चला जब वहां निर्माण हो रहा था? सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास विद्यार्थियों का प्रमुख इलाका है। देश के विभिन्न राज्यों से हजारों युवा यहां अपने भविष्य के सपने लेकर आते हैं। वे छोटे-छोटे कमरों, पीजी और किराये के मकानों में रहकर पढ़ते हैं। उनके माता-पिता अपनी जीवनभर की कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर लगाते हैं और यह विश्वास करते हैं कि राजधानी में उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जब शिक्षा की तलाश में निकला युवा एक ऐसी इमारत में पहुंचता है, जिसकी नींव ही नियमों और सुरक्षा के साथ समझौते पर टिकी हो, तो विकास की

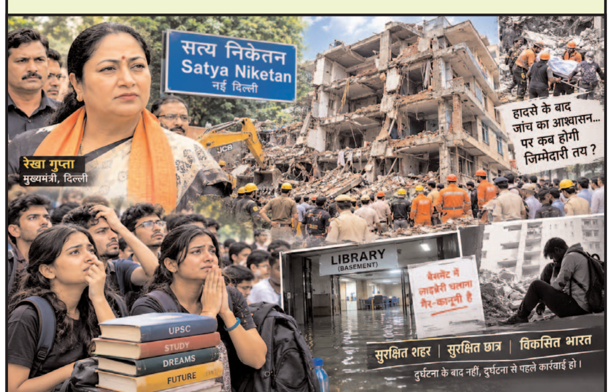

हमारी पूरी अवधारणा कटघरे में खड़ी हो जाती है और यह कोई पहली चेतावनी नहीं है। 2022 में भी सत्य निकेतन में निमार्णाधीन चार मंजिला इमारत ढहने से दो मजदूरों की मौत हुई थी और चार लोग घायल हुए थे। उस समय भी निर्माण कार्य, सुरक्षा और भवन की निगरानी पर सवाल उठे थे। लगभग चार साल बाद उसी इलाके में फिर एक बड़ी इमारत ढह गई। इसका अर्थ है कि हमने घटना से सबक लेने के बजाय घटना को एक समाचार की तरह देखा और आगे बढ़ गए। यहां भ्रष्टाचार की बात करते समय एक सावधानी भी जरूरी है। किसी अधिकारी या व्यवसायी को बिना जांच दोषी ठहराना उचित नहीं। लेकिन यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि नियमों के विरुद्ध निर्माण को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया, निरीक्षण में लापरवाही हुई या किसी प्रकार की मिलीभगत रही, तो जिम्मेदारी केवल भवन मालिक तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिसने नियम तोड़े और जिसने नियम तोड़ने दिए-दोनों को जवाबदेह बनाना होगा। सत्य निकेतन की त्रासदी को जुलाई 2024 के पुराने राजेंद्र नगर हादसे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। वहां राव आईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों-तनीया सोनी, श्रेया यादव और नवीन डालविन की मृत्यु हुई थी। सबसे भयावह तथ्य यह था कि बेसमेंट का उपयोग लाइब्रेरी के रूप में हो रहा था, जबकि उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार उसे पार्किंग और स्टोरेज के लिए इस्तेमाल किया जाना था। इससे भी अधिक चिंताजनक बात सामने आई-हादसे से लगभग एक महीने पहले एक विद्यार्थी ने एमसीडी में शिकायत की थी। भारत में भवन निर्माण के लिए नियमों की कमी नहीं है। नक्शा स्वीकृति, भवन उपविधियां, अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक सुरक्षा, अधिभोग प्रमाणपत्र, पार्किंग, बेसमेंट के उपयोग-हर क्षेत्र के लिए नियम हैं। लेकिन समस्या नियमों की संख्या नहीं, उनके पालन की ईमानदारी है। जब किसी भवन में एक मंजिल की अनुमति हो और चार-पांच मंजिलें खड़ी हो जाएं, जब बेसमेंट स्टोरेज के लिए स्वीकृत हो और वहां लाइब्रेरी या व्यावसायिक गतिविधि चलने लगे, जब सड़क की जलनिकासी बाधित हो और फिर भी निर्माण चलता रहे-तो सवाल केवल नागरिक की मनमानी का नहीं है। सवाल उस पूरी निगरानी व्यवस्था का है, जो आंखों के सामने होने वाले बदलाव को देखने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं करती। भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने का नाम नहीं है। भ्रष्टाचार वह भी है जब कोई जिम्मेदार व्यक्ति अपने कर्तव्य को जानबूझकर न निभाए। किसी अवैध निर्माण को देखकर आंखें बंद कर लेना भी व्यवस्था के प्रति अपराध है। किसी भवन को जोखिमपूर्ण जानते हुए कार्रवाई न करना भी भ्रष्ट प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा है।

सरकारी भवन भी सुरक्षित नहीं तो आम आदमी किस पर भरोसा करे? मई 2024 में दिल्ली के आईटीओ स्थित सेंट्रल रेवेन्यू बिल्डिंग में आग लगी थी। 46 वर्षीय ऑफिस सुपरिटेंडेंट की धुएं में दम घुटने से मृत्यु हुई थी। रिपोर्टों के अनुसार भवन पुराना था और उसमें आधुनिक फायर-स्प्रिंकलर व्यवस्था भी नहीं थी। यह घटना एक और सवाल सामने रखती है-जब सरकारी भवनों में भी सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, तो निजी और अनधिकृत भवनों की निगरानी की स्थिति क्या होगी? मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु और देश के अन्य महानगरों में अनियोजित शहरी विस्तार लगातार बढ़ रहा है। जमीन सीमित है, जनसंख्या बढ़ रही है, किराये की मांग बढ़ रही है और व्यावसायिक हित अधिकतम जगह का अधिकतम उपयोग चाहते हैं। ऐसे में यदि शासन मजबूत नियमन और वैज्ञानिक शहरी नियोजन नहीं करेगा तो शहर ऊपर की ओर बढ़ेंगे, लेकिन उनकी सुरक्षा नीचे गिरती जाएगी। दुर्घटना के बाद वही परिचित दृश्य सामने आता है-मंत्री घटनास्थल पर पहुंचते हैं, अधिकारी बैठक करते हैं, मुआवजे की घोषणा होती है, जांच समिति बनती है, कुछ भवन सील होते हैं, कुछ गिरफ्तारियां होती हैं और कुछ दिनों तक प्रशासन सक्रिय दिखाई देता है। फिर धीरे-धीरे सब सामान्य हो जाता है। लेकिन किसी मृत विद्यार्थी के माता-पिता के लिए कुछ भी सामान्य नहीं होता। उनके लिए वह एक जांच समिति नहीं, जीवनभर का खालीपन है। उनके लिए मुआवजे की राशि उनके बेटे या बेटी का विकल्प नहीं है। वे यह जानना चाहते हैं कि उनका बच्चा सुरक्षित क्यों नहीं था? किसने सुरक्षा की गारंटी दी थी? किसने निगरानी की थी? किसने खतरे को नजरअंदाज किया था? इसलिए जांच का उद्देश्य केवल दोषी व्यक्ति ढूंढना नहीं होना चाहिए। जांच को यह भी पता लगाना चाहिए कि किस स्तर पर सिस्टम विफल हुआ। फाइल कहां रुकी? निरीक्षण किसने किया? शिकायत किसने दबाई? नक्शा किस आधार पर स्वीकार हुआ? अवैध निर्माण वर्षों तक कैसे चलता रहा? भवन में रहने वालों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी थी? और सबसे महत्वपूर्ण-क्या उन अधिकारियों की भी जवाबदेही तय होगी जिनकी जिम्मेदारी ही ऐसे हादसों को रोकना थी? सत्य निकेतन के मलबे से आज देश को केवल छह मौतों का आंकड़ा नहीं देखना चाहिए। वहां दबे हुए सपनों को देखना चाहिए। उन माता-पिताओं की आंखों को देखना चाहिए जिन्होंने अपने बच्चों को दिल्ली भेजते समय यह सोचा होगा कि वे पढ़ेंगे, आगे बढ़ेंगे और परिवार का नाम रोशन करेंगे। उन सपनों की मौत केवल एक इमारत के गिरने से नहीं हुई है, वे उस मानसिकता के नीचे दबे हैं जिसमें नियमों से अधिक प्रभावशाली पैसा, सुविधा और सब चलता है की संस्कृति बन जाती है। अब समय है कि सरकारें हादसों के बाद जागने की आदत छोड़ें। भवन गिरने से पहले निरीक्षण हो, पानी भरने से पहले जलनिकासी सुधरे, शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई हो और भ्रष्टाचार होने से पहले ही उसकी गुंजाइश बंद हो। क्योंकि देश को केवल नया भारत नहीं बनाना है-उसे सुरक्षित, जिम्मेदार, ईमानदार और संवेदनशील भारत भी बनाना है। सत्य निकेतन का मलबा हमसे यही पूछ रहा है-अगली इमारत गिरने का इंतजार करेंगे या अब व्यवस्था को सचमुच जगाएंगे?

मौत की इमारतें: कब थमेगा भ्रष्टाचार और लापरवाही का यह जानलेवा खेल?

अशोक भाटिया

दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में एक पांच मंजिला इमारत का ताश के पत्तों की तरह ढह जाना और मलबे में दबकर छह बेगुनाह जिंदगियों का असमय खत्म हो जाना महज एक आकस्मिक हादसा नहीं है, बल्कि यह हमारे देश के महानगरीय विकास के खोखलेपन और प्रशासनिक तंत्र के सड़ चुके ढांचे की एक और खौफनाक बानगी है। हर ऐसे हादसे के बाद सरकारी अमला कुंभकर्णी नींद से जागता है, कुछ मुआवजे की घोषणाएं होती हैं, एक जांच समिति का गठन कर दिया जाता है, और कुछ दिनों बाद सब कुछ सामान्य मानकर फिर से उसी ढर्रे पर लौट आता है। लेकिन बुनियादी सवाल वहीं का वहीं खड़ा है कि आखिर कब तक देश के नागरिक चंद पैसों के भूखे बिल्डरों और भ्रष्ट अधिकारियों के इस जानलेवा गठजोड़ की वेदी पर अपनी जान की आहुति देते रहेंगे? आखिर कब तक हमारे शहरों में खड़ी अवैध और जर्जर इमारतें 'मौत की इमारतें' बनकर मासूमों को निगलती रहेंगी? सत्य निकेतन की वह इमारत, जिसे नगर निगम के दस्तावेजों में केवल दो मंजिलों की अनुमति मिली थी, वह कैसे अधिकारियों की नाक के नीचे पांच मंजिला कंक्रीट का टावर बन गई और कैसे उसमें सैकड़ों छात्रों को भेड़-बकरियों की तरह पीजी के रूप में रहने के लिए झोंक दिया गया, यह अपने आप में एक बड़ा प्रशासनिक अपराध है।

यह त्रासदी किसी एक शहर या एक खास इलाके की बानगी नहीं है, बल्कि आज पूरे भारत के महानगरों और तेजी से विकसित हो रहे शहरों की यही कड़वी और डरावनी हकीकत है। यदि हम देश के अन्य हिस्सों पर नजर डालें, तो पाएंगे कि 'मौत की इमारतों' का यह जाल कश्मीर से कन्याकुमारी तक फैला हुआ है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई और उससे सटे ठाणे, कल्याण तथा मुंब्रा जैसे इलाकों का उदाहरण हमारे सामने है, जहां हर साल मॉनसून की पहली बारिश के साथ ही इमारतों के गिरने का सिलसिला शुरू हो जाता है। मुंबई की पुरानी चालें और संकरी गलियों में खड़ी अवैध बहुमंजिला इमारतें दशकों से मौत का इंतजार कर रही हैं। वहां कानूनी पचड़ों, मकान मालिक और किराएदारों के विवादों और नगर निगम की ढीली कार्यप्रणाली के कारण सैकड़ों ऐसी इमारतें आज भी वैसी ही खड़ी हैं, जिन्हें बहुत पहले ही रहने के लिए असुरक्षित घोषित किया जा चुका है। लोग अपनी जान हथेली पर रखकर वहां रहने को मजबूर हैं क्योंकि महानगर की बेतहाशा महंगाई ने उन्हें विकल्पहीन बना दिया है।

इसी तरह, देश के सबसे आधुनिक और हाई-टेक शहरों में शुमार किए जाने वाले दिल्ली-एनसीआर के गुरुग्राम और नोएडा जैसे इलाकों की स्थिति भी कोई बहुत बेहतर नहीं है। जहां एक तरफ गगनचुंबी सोसायटियां और शीशे की चमचमाती दीवारें प्रगति का ढोल पीटती हैं, वहीं दूसरी तरफ इनके भीतर का सच बेहद भयावह है। हाल के वर्षों में गुरुग्राम और नोएडा की कई पॉश सोसायटियों में निर्माण की बेहद घटिया गुणवत्ता के कारण कभी छतों के प्लास्टर गिर रहे हैं, तो कभी लिफ्ट शाफ्ट ढह रहे हैं, और कभी पूरी की पूरी बालकनी नीचे आ गिरती है। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दफ्तरों से घिरे इन हाई-टेक शहरों में भी बिल्डर माफिया ने मुनाफाखोरी के चक्कर में इंसानी जान की कीमत को शून्य बना दिया है। रेरा जैसे कानूनों के आने के बावजूद, कागजी औपचारिकताओं को तो पूरा कर लिया जाता है, लेकिन धरातल पर जो कंक्रीट और लोहा इस्तेमाल हो

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

रहा है, उसकी मजबूती पर हमेशा एक बड़ा सवालिया निशान लगा रहता है।

यदि हम दक्षिण भारत के प्रमुख तकनीकी केंद्र बेंगलुरु की बात करें, तो वहां का परिदृश्य और भी चिंताजनक है। बेंगलुरु जो कभी अपने बगीचों और शांत वातावरण के लिए जाना जाता था, आज अनियंत्रित कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो चुका है। वहां के कतिपय रिहायशी इलाकों में बिना किसी सॉयल टेस्टिंग (मिट्टी की जांच) के और बिना पर्याप्त पिलर या बेस फाउंडेशन के, रातों-रात चार से पांच मंजिला इमारतें खड़ी कर दी जाती हैं। दलदली जमीनों और सूखे तालाबों के कैचमेंट एरिया पर बनी ये अवैध इमारतें अक्सर जरा सी बारिश या मामूली भू-धंसाव के कारण एक तरफ झुक जाती हैं, जिन्हें बाद में प्रशासन को आनन-फानन में ढहाना पड़ता है। आईटी हब की इस चकाचौंध के पीछे छिपा यह अंधाधुंध और गैर-कानूनी निर्माण किसी भी दिन एक बहुत बड़ी त्रासदी को आमंत्रण दे रहा है।

पूरब की ओर रुख करें, तो कोलकाता और चेन्नई जैसे ऐतिहासिक महानगरों में समस्या का एक दूसरा पहलू सामने आता है। यहां 'विरासत' और 'पुराने कानूनी विवादों' के नाम पर दशकों, बल्कि सदियों पुरानी जर्जर इमारतें खड़ी हैं, जिनके मालिक या तो देश छोड़कर जा चुके हैं या फिर किराएदारों के साथ दशकों से कोर्ट कचहरी के चक्कर काट रहे हैं। इन इमारतों की मरम्मत कराने वाला कोई नहीं है, और नगर निगम इन्हें केवल 'खतरनाक' का एक नोटिस चपकाकर अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री कर लेता है। जब ये इमारतें ढहती हैं और इनके मलबे में दबकर गरीब मजदूर या फुटपाथ पर सोने वाले लोग मरते हैं, तो फाइलें बंद कर दी जाती हैं।

इस पूरे संकट के मूल में जो सबसे बड़ी समस्या है, वह है बिल्डर-माफिया, स्थानीय प्रशासन और पुलिस का वह अपवित्र और अटूट त्रिकोण, जो हर अवैध निर्माण को संरक्षण देता है। कोई भी अवैध इमारत रातों-रात या छिपकर नहीं बनती। कंक्रीट के मिक्सर ट्रक, लोहे की छड़ें और दर्जनों मजदूर दिन-दहाड़े सड़क पर काम करते हैं। स्थानीय बीट कांस्टेबल से लेकर नगर निगम के जूनियर इंजीनियर और क्षेत्रीय अधिकारियों तक, सबको इस बात की पूरी जानकारी होती है कि कहां और किस नियम को तोड़ा जा रहा है। लेकिन रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार की जो व्यवस्था हमारे सिस्टम में नीचे से ऊपर तक पैठी हुई है, वह इन अधिकारियों की आंखों पर पट्टी बांध देती है। जब तक इमारत बनकर खड़ी नहीं हो जाती और बिल्डर अपना मुनाफा कमाकर गायब नहीं हो जाता, तब तक प्रशासन मूकदर्शक बना रहता है। और जब कोई सत्य निकेतन जैसा हादसा होता है, तो सारा ठीकरा प्राकृतिक आपदा या केवल मकान मालिक के सिर फोड़कर असली गुनाहगार अधिकारी साफ बच निकलते हैं।

इस जानलेवा सिलसिले को रोकने के लिए अब केवल कागजी कार्रवाई या निलंबन के नाटक से काम नहीं चलने वाला है। हमें एक बेहद कड़े, पारदर्शी और जवाबदेह तंत्र की आवश्यकता है। सबसे पहले, देश के हर छोटे-बड़े शहर में तीस साल से अधिक पुरानी सभी इमारतों का एक अनिवार्य 'स्ट्रक्चरल ऑडिट' होना चाहिए, और यह ऑडिट किसी स्वतंत्र और प्रतिष्ठित संस्था द्वारा किया जाना चाहिए न कि नगर निगम के भ्रष्ट इंजीनियरों द्वारा। जिन इमारतों का ढांचा कमजोर पाया जाए, उन्हें बिना किसी राजनीतिक या सामाजिक दबाव के तुरंत खाली कराया जाना चाहिए और उनके पुनर्वास की व्यवस्था की जानी चाहिए।

दूसरा और सबसे महत्वपूर्ण कदम यह होना चाहिए कि भविष्य में जब भी कोई अवैध इमारत गिरे, तो केवल मकान मालिक या बिल्डर पर ही मुकदमा दर्ज न हो, बल्कि उस इलाके के नगर निगम अधिकारी, इंजीनियर और पुलिस अधिकारियों को भी सह-आरोपी बनाया जाना चाहिए। जब तक इन सफेदपोश और वदीर्धारी गुनहगारों को जेल की सलाखों के पीछे नहीं भेजा जाएगा और उनकी संपत्तियों को कुर्क नहीं किया जाएगा, तब तक कानून का खौफ पैदा नहीं होगा। भारतीय न्याय संहिता की गैर-इरादतन हत्या जैसी धाराओं का वास्तविक और कड़ा प्रयोग इन अधिकारियों पर होना चाहिए, जिन्होंने अपनी जेबें भरने के लिए सैकड़ों मासूमों की जिंदगी को खतरे में डाला।

इसके साथ ही, आज के इस आधुनिक युग में जब हमारे पास सैटेलाइट इमेजरी, ड्रोन तकनीक और जीआईएस मैपिंग जैसे उन्नत साधन मौजूद हैं, तो अवैध निमार्णों की निगरानी मानवीय भरोसे पर क्यों छोड़ी जाए? हर शहर के मास्टर प्लान को डिजिटल किया जाना चाहिए और किसी भी नए निर्माण या स्वीकृत नक्शे से इतर होने वाले बदलाव को ड्रोन कैमरों के जरिए ट्रैक किया जाना चाहिए। जैसे ही कोई अवैध मंजिल खड़ी हो, सिस्टम में ऑटोमैटिक अलर्ट जनरेट होना चाहिए ताकि भ्रष्टाचार की गुंजाइश को पूरी तरह खत्म किया जा सके।

महानगरों की बढ़ती आबादी और जमीन की कमी निश्चित रूप से एक बड़ी चुनौती है, लेकिन इसका समाधान इंसानी जिंदगियों की कीमत पर कंक्रीट के अवैध डेथ-ट्रैप बनाना नहीं हो सकता। यदि हम अब भी नहीं संभले और सत्य निकेतन जैसी त्रासदियों से कोई सबक नहीं लिया, तो देश के कोने-कोने से 'मौत की इमारतों' के गिरने और चीख-पुकार उठने का यह सिलसिला कभी बंद नहीं होगा। विकास की ऊंची-ऊंची बातें तब तक बेमानी हैं, जब तक कि हम अपने नागरिकों को एक सुरक्षित छत और एक सुरक्षित जीवन देने की बुनियादी गारंटी नहीं दे सकते। यह समय खोखली संवेदनाओं का नहीं, बल्कि व्यवस्था की इस सड़न पर एक कड़ा और अंतिम प्रहार करने का है।

यूपी बीजेपी का जिला प्रभारियों को बदलने का बड़ा दांव

उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी धीरे-धीरे गरमाती जा रही है। राज्य की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी ने अपनी रणनीतिक तैयारियों के तहत सांगठनिक मशीनरी को मथना शुरू कर दिया है। गौरतलब है, किसी भी राजनीतिक दल के लिए चुनाव केवल बयानों और भाषणों से नहीं लड़े जाते, बल्कि इसके पीछे एक मजबूत, अनुशासित और दुरुस्त संगठन की बड़ी भूमिका होती है। भाजपा इस बात को भली-भांति समझती है कि संगठन के कमजोर होने का मतलब कांग्रेस बन जाना होता है। इसीलिये उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और राजनीतिक रूप से संवेदनशील सूबे में तीसरी बार विजय हासिल करने के लिए जमीन पर पार्टी के ढांचे का एकदम सटीक बैठाये जाने के लिये लम्बा विचार-विमर्श चल रहा है। यही कारण है कि प्रदेश और क्षेत्रीय कार्यकारिणी में बड़े पैमाने पर फेरबदल करने के बाद अब पार्टी का पूरा फोकस जिलों के प्रभारियों और जिला कमेटियों को बदलने पर केंद्रित हो गया है। सांगठनिक फेरबदल की इन चल रही बयारों और सुगबुगाहटों ने उन तमाम नेताओं और कार्यकर्ताओं की नींद उड़ा दी है, जो आगामी विधानसभा चुनाव के लिए खुद को टिकट का सबसे प्रबल दावेदार मानकर चल रहे थे।

संगठनात्मक बदलाव के इस सिलसिले की शुरूआत निचले और मध्यम स्तर पर व्यवस्थित ढंग से की जा रही है, जिसके तहत पिछले दिनों मुरादाबाद महानगर और जिला कार्यकारिणी के गठन व पुनर्गठन के जरिए साफ संदेश दे दिया गया था। इन नई कमेटियों के गठन के पीछे केवल सतही बदलाव का उद्देश्य नहीं था, बल्कि इसके जरिए बहुत ही बारीकी से जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश की गई है। उत्तर प्रदेश की राजनीति जातिगत ताने-बाने से गहराई से जुड़ी हुई है और कोई भी दल सामाजिक संतुलन को नजरअंदाज करके आगे नहीं बढ़ सकता है। भाजपा ने जिस प्रकार से विभिन्न जिलों में नियुक्तियों के दौरान क्षेत्रीय और जातीय संतुलन का ध्यान रखा है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि पार्टी का केंद्रीय और प्रांतीय नेतृत्व किसी भी एक वर्ग या समीकरण के भरोसे चुनाव में उतरने का जोखिम नहीं उठाना चाहता। हर जिले और महानगर में वहां की सामाजिक जनसांख्यिकी के मुताबिक चेहरों को आगे बढ़ाया जा रहा है, ताकि चुनावों से ठीक पहले किसी भी प्रकार के असंतोष को पनपने से रोका जा सके और सभी प्रमुख जातियों को संगठन के साथ जोड़कर एक मजबूत संदेश दिया जा सके।

जिला स्तर पर होने वाले इन बदलावों की श्रृंखला में अगला और सबसे महत्वपूर्ण चरण जिला प्रभारियों का फेरबदल माना जा रहा है, जिसे लेकर राजनीतिक गलियारों में चचाएं तेज हो गई हैं। जिला प्रभारी की भूमिका किसी भी जिले में पार्टी के भीतर बेहद प्रभावी और निर्णायक होती है। जिला प्रभारी न केवल संगठन और स्थानीय प्रशासन के

-अजय कुमार

बीच समन्वय का काम करते हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर टिकट वितरण से लेकर चुनावी रणनीति की रूपरेखा तय करने में भी उनकी केंद्रीय भूमिका होती है। जब किसी जिले का प्रभारी बदला जाता है, तो उस जिले की पूरी राजनीतिक गतिशीलता प्रभावित होती है। अब तक जिन जिलों में पुराने प्रभारी जमे हुए थे, उनके साथ स्थानीय नेताओं और टिकट के दावेदारों के समीकरण सेट हो चुके थे। कई दावेदार पिछले कई वर्षों से अपने आकाओं और प्रभारियों के जरिए जमीन तैयार करने में जुटे थे, ताकि सही समय पर टिकट की जुगत भिड़ाई जा सके। लेकिन नए प्रभारियों के आने की संभावना मात्र से इन पुराने समीकरणों के ध्वस्त होने का खतरा पैदा हो गया है, जिससे टिकट के दावेदारों की धड़कनें तेज होना स्वाभाविक है।

इस पूरी प्रक्रिया का सबसे बड़ा मनोवैज्ञानिक असर उन नेताओं पर पड़ा है, जो लंबे समय से खुद को क्षेत्र का सर्वसर्वा मानकर बैठे थे और जिन्हें लगता था कि स्थानीय संगठन पर उनकी पकड़ के कारण पार्टी उनके सामने टिकट वितरण में किसी और विकल्प पर विचार ही नहीं करेगी। भाजपा में संगठनात्मक संस्कृति हमेशा से व्यक्ति-केंद्रित न होकर व्यवस्था-केंद्रित रही है, और समय-समय पर प्रभारियों को बदलकर पार्टी यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी नेता या पदाधिकारी एक ही जगह पर लंबे समय तक रहकर गुटबाजी या व्यक्तिगत प्रभाव का केंद्र न बन जाए। जब नए जिला प्रभारी आएंगे, तो वे अपने साथ नई कार्यशैली, निष्पक्ष आकलन रिपोर्ट और बिल्कुल नया दृष्टिकोण लेकर आएंगे। वे बिना किसी पूर्व पूर्वाग्रह के जमीनी हकीकत का जायजा लेंगे कि कौन सा नेता वास्तव में जनता के बीच लोकप्रिय है और किसकी सक्रियता सिर्फ कागजों तक सीमित है। यही वह बात है, जो उन दावेदारों को सबसे ज्यादा डरा रही है, जिनकी पकड़ जनता के बीच कम और पार्टी कार्यालयों के गलियारों में ज्यादा मजबूत मानी जाती है।

टिकट के दावेदारों की बढ़ी हुई मुश्किलों के पीछे एक और बड़ा कारण यह है कि नए प्रभारियों के जरिए पार्टी हाईकमान का सीधा संदेश कार्यकताओं की कार्यक्षमता और जनता के बीच उनकी स्वीकार्यता पर आधारित है। अब तक टिकट के कई दावेदार सिर्फ इस भ्रम में जीते रहे हैं कि उनके पास वित्तीय संसाधन हैं या पार्टी के किसी वरिष्ठ पदाधिकारी से उनकी नजदीकी है, तो टिकट उनकी झोली में खुद-ब-खुद आ जाएगा। लेकिन जिस प्रकार से पार्टी ने माइक्रो-मैनेजमेंट और जमीनी फीडबैक के आधार पर बदलाव करने शुरू किए हैं, उससे साफ है कि इस बार पैराशूट या केवल सिफारिश के दम पर टिकट पाने की राह आसान नहीं होगी। जिला प्रभारियों के बदलने से स्थानीय स्तर पर चल रहे वे तमाम गुप्त समीकरण और समझौते बिखर जाएंगे, जिनके बूते लोग टिकट की उम्मीद लगाए बैठे थे। नए प्रभारियों की यह जिम्मेदारी होगी कि वे पूरी पारदर्शिता के साथ जिताऊ और जुझारू उम्मीदवारों के पैनल तैयार करें, जिससे उन लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं, जो सिर्फ हवा हवाई दावों के दम पर अपनी जमीन मजबूत मान रहे थे।

इसके साथ ही, इस पूरी संगठनात्मक सर्जरी के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी यह भी सुनिश्चित करना चाहती है कि सरकार और संगठन के बीच बेहतर तालमेल बना रहे। अक्सर ऐसा देखा जाता है कि चुनाव नजदीक आते-आते स्थानीय स्तर पर कार्यकताओं और जनप्रतिनिधियों के बीच दूरियां बढ़ने लगती हैं, जिसका सीधा असर चुनावी नतीजों पर पड़ता है। नए प्रभारियों की तैनाती इस बात को भी ध्यान में रखकर की जा रही है कि वे समन्वय स्थापित करने में माहिर हों और किसी भी तरह के आंतरिक विरोध या भीतरघात को समय रहते कुचल सकें। जब संगठन का पहिया दुरुस्त होता है और नीचे से लेकर ऊपर तक के पदाधिकारियों में एक स्पष्ट वैचारिक व कार्यगत अनुशासन होता है, तो चुनावी प्रबंधन स्वतः आसान हो जाता है। भाजपा का यह आंतरिक फेरबदल इस बात का प्रमाण है कि पार्टी ने चुनाव से काफी पहले ही अपनी कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करना शुरू कर दिया है, ताकि चुनावी समर में उतरने से पहले संगठन का हर एक सिपाही पूरी तरह से प्रशिक्षित और युद्ध के लिए तैयार मिले।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उत्तर प्रदेश में जिस तरह से विपक्षी दल भी अपनी रणनीतियों को धार देने में लगे हैं, ऐसे में भाजपा का यह मथने वाला अभियान उसकी दूरगामी राजनीतिक सोच को दशार्ता है। संगठन के भीतर लगातार हो रहे इन परिवर्तनों से भले ही कुछ समय के लिए असंतोष या असमंजस की स्थिति पैदा होती हो, लेकिन दीर्घकालिक रूप से यह पार्टी को अधिक अनुशासित और धारदार बनाता है। जिन दावेदारों की मुश्किलें इन बदलावों की वजह से बढ़ी हैं, उनके पास अब अपनी कार्यशैली बदलने और जनता के बीच अपनी वास्तविक जमीनी पकड़ साबित करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। उन्हें यह समझ आ चुका है कि अब केवल भाई-भतीजावाद या व्यक्तिगत नजदीकियों के सहारे उम्मीदवारी हासिल नहीं की जा सकती, बल्कि इसके लिए संगठन के मानकों पर खरा उतरना ही होगा। अंततः, उत्तर प्रदेश की राजनीति का यह दौर इस बात का गवाह बन रहा है कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए केवल चेहरों पर नहीं, बल्कि एक अचूक और परिष्कृत सांगठनिक तंत्र के निर्माण पर पूरी ताकत से काम कर रही है, जिसके आगे हर व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को किनारे होना पड़ रहा है।

सोन जल समझौते से सहकारी संघवाद की नई राह

अंतरराज्यीय नदियाँ केवल बहते पानी की नदियाँ ही नहीं हैं, बल्कि ये जीवन रेखाएँ हैं जो कृषि उत्पादन, पेयजल आपूर्ति, उद्योगों, पारिस्थितिकी तंत्र और लाखों लोगों की आजीविका को सहारा देती हैं। हालाँकि, नदियों का प्रवाह राज्य की सीमाओं को भी पार कर सकता है, इसलिए इनका प्रबंधन राज्यों के बीच टकराव का कारण बन सकता है। हाल ही में बिहार-झारखंड के बीच सोन नदी को लेकर हुआ समझौता, जिसका उद्देश्य लगभग 25 वर्षों से चले आ रहे जल विवाद को बातचीत के माध्यम से हल करना है, सतत जल प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है झ एक ऐसा जल मुद्दा जिसे केवल सहयोग से ही सुलझाया जा सकता है, न कि टकराव से।

अंतरराज्यीय जल संघर्षों के निरंतर बने रहने का मुख्य कारण जल विकास के लिए परस्पर विरोधी हित हैं। एक राज्य सिंचाई के लिए अधिक जल का उपयोग कर सकता है, जबकि दूसरा पेयजल, उद्योग या शहरी विकास के लिए। ये सभी आवश्यकताएँ जायज हैं, लेकिन जल सीमित है। यदि कई राज्य एक ही नदी पर निर्भर हैं, तो संसाधन दुर्लभ हो जाते हैं और इन आवश्यकताओं को संतुलित करना संघीय प्रशासन के लिए एक चुनौती बन जाता है। विभिन्न क्षेत्रों और ऋतुओं में जल असंतुलन से जटिलताएं और बढ़ जाती हैं। मानसून के मौसम में अच्छी वर्षा प्राप्त करने वाले क्षेत्रों में उस दौरान भारी वर्षा हो सकती है, लेकिन ग्रीष्म ऋतु में वर्षा की कमी हो सकती है। इस प्रकार, एक नदी एक वर्ष भरपूर जल से भरी हो सकती है और दूसरे वर्ष विरल हो सकती है। जलवायु परिवर्तन के कारण यह स्थिति और भी अनिश्चित होती जा रही है। वर्षा के बदलते पैटर्न से नदियों के प्रवाह में परिवर्तन हो रहा है, जबकि लंबे समय तक सूखा पड़ने और चरम मौसम की घटनाएं भी जल उपलब्धता को प्रभावित कर रही हैं और जल उपलब्धता के बारे में अनुमानों को कम विश्वसनीय बना रही हैं। प्रशासनिक पुनर्गठन से ऐतिहासिक समझौतों पर असहमति भी उत्पन्न हो सकती है। बिहार-झारखंड संबंधों के मामले में भी यही स्थिति है। एक ही प्रशासनिक ढांचे के भीतर हुए समझौतों पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है यदि राज्यों का पुनर्गठन हो और उनकी कृषि, जनसंख्या और आर्थिक आवश्यकताएं विकसित हों। दशकों पहले

- डॉ. सत्यवान सौरभ

प्रचलित 'निष्पक्षता' की अवधारणा वर्तमान संदर्भ में लागू होना आवश्यक नहीं है। संघर्ष का एक अन्य बड़ा कारण ऊपरी इलाकों में चल रही परियोजनाओं का विकास और उनका उपयोग है। बांधों, बैराजों और सिंचाई योजनाओं के कारण निचले इलाकों में पानी की मात्रा और निकासी का कार्यक्रम प्रभावित हो सकता है। सूचना साझाकरण और राज्यों के बीच परियोजना समन्वय के अभाव में, तकनीकी कार्य में निपुणता भी अविश्वास का कारण बन सकती है। पारदर्शी और वास्तविक समय के जलवैज्ञानिक आंकड़ों की अनुपलब्धता विवादों को और बढ़ा देती है। राज्यों के बीच आवंटित जल की मात्रा और उपलब्ध जल की मात्रा को लेकर अलग-अलग लक्ष्य हो सकते हैं। यदि वर्षा की मात्रा, नदी के प्रवाह, जलाशयों के स्तर और जल उपयोग के बारे में कोई साझा, वैज्ञानिक रूप से स्वीकृत जानकारी उपलब्ध नहीं है, तो बातचीत आसानी से परस्पर विरोधी मांगों पर बहस में बदल सकती है। अगर लोग राजनीतिक रूप से संगठित हो जाते हैं तो स्थिति और बिगड़ सकती है। पानी का मुद्दा भावनात्मक है और इसका किसानों, परिवारों और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं पर सीधा प्रभाव पड़ता है। अगर तकनीकी समस्या क्षेत्रीय मुद्दा या राजनीतिक विवाद बन जाती है, तो समझौता करना मुश्किल हो जाता है। संस्थागत संवाद का यही उद्देश्य है, ताकि यह एक लंबा संघीय संघर्ष न बन जाए। सोन नदी के लिए बिहार-झारखंड का दर्जा समझौता वार्ता के महत्व का एक उदाहरण है। दोनों राज्यों ने आपसी सहमति से समाधान खोजने के लिए एक-दूसरे से संपर्क साधकर अहिंसक तरीके से विवाद को सुलझाने का प्रयास किया है। रिपोर्ट के अनुसार, बिहार को 575 करोड़ एकड़-फीट और झारखंड को 2 करोड़ एकड़-फीट जल आवंटन प्राप्त हुआ है। लेकिन इस समझौते का प्रभाव केवल इन आंकड़ों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी परिणाम भी हैं। इसका वास्तविक महत्व यह संदेश देना है कि राज्य अपने हितों की रक्षा करने के साथ-साथ अन्य राज्यों की आवश्यकताओं को भी समझने में सक्षम हैं। बातचीत से साझा अवसंरचना के बेहतर उपयोग के अवसर भी मिल सकते हैं। खंडित जल प्रबंधन की बजाय समन्वित जल प्रबंधन से इंद्रपुरी बैराज और उससे जुड़े नहर नेटवर्क से अधिक लाभ प्राप्त हो सकते हैं। साझा अवसंरचना को सहयोग का आधार बनना चाहिए, न कि विभाजन का नया कारण। अब भारत के लिए राज्य-आधारित दृष्टिकोण से हटकर नदी-बेसिन-आधारित दृष्टिकोण अपनाने का समय आ गया है। नदी बेसिन एक एकल पारिस्थितिक-आर्थिक इकाई है। इसलिए जल नियोजन के लिए नदी के ऊपरी और निचले समुदायों, भूजल, पर्यावरणीय प्रवाह, कृषि, पेयजल और औद्योगिक उपयोगों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। सर्वप्रथम, जलविज्ञानीय डेटा साझा करने की खुली और अद्यतन प्रक्रियाओं को स्थापित करना महत्वपूर्ण है। रुचि रखने वाले सभी राज्यों को एक ही विश्वसनीय जानकारी तक पहुंच प्राप्त होनी चाहिए। प्रौद्योगिकी नदियों की निगरानी की सटीकता में सुधार करने और विभिन्न स्रोतों से प्राप्त डेटा पर विवाद को कम करने में सहायक हो सकती है। दूसरे, मध्यस्थता के तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता है। अंतर-राज्य परिषद और क्षेत्रीय परिषदों द्वारा उपलब्ध कराए गए संरचित मंचों का उपयोग मुकदमेबाजी या न्यायिक कार्यवाही से पहले उभरते जल मुद्दों पर चर्चा करने के लिए किया जा सकता है, जिससे भविष्य के विवादों को रोकने में मदद मिलेगी। यद्यपि न्यायालयों और न्यायाधिकरणों की महत्वपूर्ण भूमिका है, फिर भी बातचीत के माध्यम से किए गए समझौते बदलती परिस्थितियों के अनुरूप होने और दीर्घकालिक संबंधों को बनाए रखने में अधिक सहायक हो सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अंतरराज्यीय नदियों को किसी एक राज्य की संपत्ति नहीं बल्कि राज्यों द्वारा साझा की जाने वाली एक पारिस्थितिक और आर्थिक प्रणाली के रूप में माना जाना चाहिए। जो राज्य एक ही जल बेसिन साझा करने वाले अन्य राज्यों के हितों की अनदेखी करता है, वह दीर्घकालिक रूप से जल सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता। सहयोग करना कोई समझौता नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है। बिहार-झारखंड सोन समझौता भारत के संघीय भविष्य के लिए एक सकारात्मक संकेत है। जब जल विवाद लंबी बातचीत का विषय बन जाते हैं, तो निरंतर संवाद, विश्वसनीय जानकारी और प्रभावी सहकारी संस्थानों के माध्यम से साझेदारी के अवसर उत्पन्न हो सकते हैं। नदियाँ राज्यों की सीमाओं को नहीं पहचानतीं। हमें जल प्रबंधन में इन सीमाओं से ऊपर उठना होगा। भारत में जल सुरक्षा नदियों पर प्रतिस्पर्धा के माध्यम से नहीं, बल्कि जल के प्रति साझा जिम्मेदारी से प्राप्त की जा सकती है।

भिवंडी के भंडारी चौक पर युवा शक्ति मित्र मंडल की दहीहंडी में भोजपुरी व मराठी गीतों से झूमें दर्शक

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के भंडारी कंपाउंड में युवा शक्ति मित्र मंडल द्वारा वर्ष 2026 के भव्य दहीहंडी उत्सव का आयोजन बड़े ही उत्साह और धूमधाम के साथ किया गया। युवा शक्ति मित्र मंडल के संस्थापक अध्यक्ष यशवंत टावरे एवं भाजपा प्रदेश सचिव सुनीता यशवंत टावरे के नेतृत्व में आयोजित इस भव्य उत्सव में बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। दहीहंडी उत्सव में कुल 124 गोविंदा पथकों ने हिस्सा लिया। गोविंदा पथकों ने एक के बाद एक शानदार मानव पिरामिड बनाकर अपने साहस, जोश और हुनर का प्रदर्शन किया। गोविंदाओं के उत्साह और दर्शकों की तालियों से पूरा भंडारी कंपाउंड उत्सवी माहौल में रंग गया। हर वर्ष की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी कार्यक्रम में भोजपुरी कलाकारों द्वारा विशेष सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया और पूरे कार्यक्रम में उत्साह का माहौल बना रहा। वहीं, युवा शक्ति मित्र मंडल दहीहंडी 2026 की दहीहंडी को आम्ही शेलारकर गोविंदा पथक ने फोड़कर शानदार जीत दर्ज की। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल, भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष व विधायक चित्राताई वाघ, महामंत्री एडवोकेट माधवीताई नाईक, वरिष्ठ नगरसेवक निलेश चौधरी, हनुमान चौधरी, नितेश एनकर, साईनाथ भाऊ पवार, नगरसेवक एडवोकेट मयूरेश पाटिल, शरद धुले, विजय भगत तथा मनसे भिवंडी अध्यक्ष डॉ. मनोज गुलवी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। दहीहंडी उत्सव को सफल बनाने के लिए युवा शक्ति मित्र मंडल के मनोज गुप्ता, हितेश टावरे, लीलाधर टावरे, राजा इंदुरकर, योगेश टावरे, हिमांशु टावरे, वसंत पटेल आदि सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने अथक मेहनत की। उनकी मेहनत और बेहतर आयोजन के चलते यह भव्य दहीहंडी उत्सव लोगों के लिए यादगार बन गया। भक्ति, उत्साह, मनोरंजन और गोविंदाओं के शानदार पराक्रम से भंडारी कंपाउंड में आयोजित युवा शक्ति मित्र मंडल की दहीहंडी ने एक बार फिर अपनी भव्यता और लोकप्रियता का परिचय दिया।

एक आरंभ फाउंडेशन ने किया 250 विद्यार्थियों को नोटबुक वितरित

पालघर (उत्तरशक्ति)। विद्यार्थियों की शिक्षा को प्रोत्साहन देने और जरूरतमंद छात्रों की मदद के उद्देश्य से एक आरंभ फाउंडेशन (रजि.) की ओर से रविवार 6 सितंबर 2026 को शाम 5 बजे काली माता मंदिर, गणेश नगर (हनुमान नगर), महावीर कुंज, कटकर पाड़ा, बोईसर (पश्चिम) में नोटबुक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के लगभग 250 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। फाउंडेशन की ओर से उपस्थित सभी विद्यार्थियों को नोटबुक वितरित की गईं। इस पहल से विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों में खुशी का माहौल देखने को मिला। फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना संस्था के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है। कार्यक्रम में एक आरंभ फाउंडेशन (रजि.) के अध्यक्ष तपन मालकर, मुख्यसचिव धर्मेंद्र शर्मा, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष निलेश नगरकर, कोकण विभाग अध्यक्ष सुरेश भोसले, खजिनदार सिद्धी मालकर तथा सदस्य अनुपमा शर्मा सहित फाउंडेशन के सभी सदस्य उपस्थित रहे। पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक एवं शैक्षणिक उपक्रम जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

प्रभाग 39 दावड़ी में भाजपा द्वारा सर्वांगीण विकास की दिशा में एक और कदम

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। प्रभाग क्रमांक 39, दावडी में नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के मार्गदर्शन तथा कल्याण कृषि उत्पन्न बाजार समिति के उपसभापति एवं कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका नगरसेवक जालिंदर जयराम पाटील के नेतृत्व में नगरसेवक निधि से मंजूर गटार निर्माण कार्य का जिलाध्यक्ष नंदू परब के हांथो भूमिपूजन समारोह किया गया। इस विकास कार्य के तहत शिवशक्ति नगर (शंकर मंदिर परिसर) तथा समर्थ नगर (झुंजाबाई चाळ से नाना पाटील के घर तक) क्षेत्र में गटार निर्माण किया जाएगा। इन क्षेत्रों के नागरिक लंबे समय से इस कार्य की मांग कर रहे थे। विकास कार्य मंजूर होने से स्थानीय नागरिकों में संतोष का माहौल है। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि प्रभाग में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना और नागरिकों के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को बेहतर बनाना प्राथमिकता है। प्रभाग के सर्वांगीण विकास के लिए आगे भी लगातार प्रयास किए जाएंगे। भूमिपूजन समारोह में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। आयोजकों की ओर से सभी उपस्थित नागरिकों एवं कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया गया।

मीरा भायंदर में अवैध निर्माण पर मंत्री सरनाईक का नायक अंदाज

◆नगररचना विभाग के कथित भ्रष्टाचार पर बरसे परिवहन मंत्री; नियमबाह्य सीसी देने वाले वास्तुविशारद की सनद रद्द करने और दोषियों पर एफआईआर की मांग

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर में कथित रूप से बढ़ते अवैध निर्माण और महानगरपालिका के नगररचना (टाउन प्लानिंग) विभाग के कामकाज को लेकर महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री तथा धाराशिव जिले के पालकमंत्री प्रताप सरनाईक ने आक्रामक रुख अपनाया है। शिकायतों की जांच के लिए मंत्री सरनाईक ने महानगरपालिका के नगररचना विभाग का निरीक्षण दौरा किया और संबंधित अधिकारियों से मामले की जानकारी ली। मंत्री सरनाईक ने आरोप लगाया कि कुछ मामलों में महानगरपालिका प्रशासन पर दबाव डालकर नियमों के विपरीत नक्शे मंजूर कराने तथा विकासकों को अनुचित लाभ पहुंचाने की शिकायतें सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि यदि सामान्य नागरिकों को अपने अधिकारों के लिए बार-बार न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़े, तो प्रशासनिक व्यवस्था की भूमिका पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कोर्ट के स्टेटस क्वो आदेश की अनदेखी का आरोप बताया गया कि Special Civil Suit No. 481/2014 मामले में न्यायालय ने 4 मार्च 2024 को विवादित जमीन पर यथास्थिति यानी 'Status Qua' बनाए रखने के आदेश दिए थे। आरोप है कि महानगरपालिका इस मामले में पक्षकार होने के बावजूद नगररचना विभाग ने उक्त न्यायालयीन आदेश की अनदेखी करते हुए संबंधित भूखंडों के संबंध में आगे की अनुमति प्रक्रिया जारी रखी। शिकायत के अनुसार, वर्ष 2026 में कुछ विकासकों और संबंधित कंपनियों को 33 मंजिल तक की इमारतों के लिए सीसी तथा संशोधित अनुमतियां दिए जाने पर भी सवाल उठाए गए हैं। मौजे नवघर की जमीनों को लेकर मूल मालिकों और संबंधित पक्षों की ओर से आपत्तियां दर्ज होने के बावजूद महानगर पालिका प्रशासन द्वारा कथित तौर पर सहयोग किए जाने का आरोप लगाया गया है।

इस पूरे मामले में करीब 150 से 250 करोड़ रुपये के कथित संदिग्ध आर्थिक व्यवहार और कुछ सेवानिवृत्त अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की मांग की गई है। गलत जानकारी देने वालों पर भी हो कार्रवाई मंत्री प्रताप सरनाईक ने संबंधित वास्तुविशारद द्वारा नियमों के विपरीत दस्तावेज अथवा जानकारी प्रस्तुत किए जाने की स्थिति में उसकी सनद स्थायी रूप से रद्द करने की मांग की। उन्होंने पुलिस से संबंधित वास्तुविशारद, विकासकों और जमीन मालिकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच कर दोष पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

इस सिलसिले में मंत्री सरनाईक ने मामले से संबंधित दस्तावेजों और कथित सबूतों की फाइल मीरा भायंदर के पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण को सौंपे जाने की जानकारी दी। साथ ही आर्थिक लेन-देन तथा कथित अनियमितताओं की व्यापक जांच की मांग की गई है। आमदार बड़ा या कानून—मेहता पर सरनाईक का निशाना, मीडिया से बातचीत के दौरान मंत्री सरनाईक ने भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता पर भी निशाना साधा। उन्होंने मीरा भायंदर में जमीनों से जुड़े कथित विवादों, आदिवासी एवं भूमिपुत्रों की जमीनों तथा अवैध निर्माण के मामलों में बार-बार मेहता अथवा उनके करीबी लोगों के नाम सामने आने को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने सवाल किया कि आमदार बड़ा है या कानून? मंत्री ने कहा कि किसी भी लोकप्रतिनिधि के दबाव में प्रशासन द्वारा नियमों के विपरीत मंजूरी देना स्वीकार नहीं किया जा सकता। एसआईटी जांच की मांग, मंत्री सरनाईक ने कहा कि मामला गंभीर होने के कारण जांच केवल एक-दो अधिकारियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए।

पर्युषण एवं दशलक्षण महापर्व : आत्मशुद्धि, संयम और क्षमा का पावन संदेश : देवेन्द्र ब्रह्मचारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जैन धर्म में पर्युषण और दशलक्षण महापर्व आत्मचिंतन, संयम, तप, स्वाध्याय और आत्मशुद्धि के अत्यंत पवित्र अवसर हैं। वर्ष 2026 में श्वेतांबर परंपरा का पर्युषण पर्व 8 सितंबर से 15 सितंबर तक तथा दिगंबर परंपरा का दशलक्षण महापर्व 16 सितंबर से 25 सितंबर तक मनाया जाएगा। दोनों परंपराओं की विधियाँ भिन्न हैं, किंतु उनकी आध्यात्मिक दिशा एक ही है: कषायों से निवृत्त होकर आत्मा के निर्मल स्वरूप की ओर अग्रसर होना। श्वेतांबर परंपरा में पर्युषण आठ दिनों की आध्यात्मिक साधना है। इन दिनों सामायिक, प्रतिक्रमण, स्वाध्याय, तप और आत्मावलोकन का विशेष महत्व है। 15 सितंबर को संवत्सरी इसका विशेष आध्यात्मिक अवसर है। यह दिन अपने ज्ञात-अज्ञात अपराधों के लिए क्षमा मांगने, दूसरों को क्षमा करने तथा सभी जीवों के प्रति मैत्री और करुणा का भाव विकसित करने की प्रेरणा देता है।

दिगंबर परंपरा में दशलक्षण महापर्व दस दिनों की आत्मसाधना है। इसमें क्रमशः उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन्य और उत्तम ब्रह्मचर्य धर्मों की आराधना की जाती है। प्रत्येक धर्म आत्मा में निहित श्रेष्ठ गुणों को जागृत करने और उन्हें जीवन में धारण करने की प्रेरणा देता है।

अगले ढाई साल में मैं विधायक बनूंगा, 100 प्रतिशत -राजू पाटील का दावा

◆SIR, EVM, चुनाव आयोग और भाजपा पर जमकर निशाना
◆मनसे कार्यकताओं से विवादों से दूर रहने की अपील

चेतन निर्मल

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली स्थित मनसे कार्यालय में भाजपा से दोबारा मनसे में शामिल होने वाले कार्यकताओं का प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मनसे नेता और पूर्व विधायक राजू पाटील ने आगामी राजनीति को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा, अगले ढाई साल में मैं विधायक बनूंगा, 100 प्रतिशत! कल्याण ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में हुए बदलावों को लेकर राजू पाटील ने SIR प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाताओं की संख्या में बड़ी वृद्धि हुई थी, लेकिन SIR प्रक्रिया के बाद करीब 2 लाख 55 हजार मतदाताओं के नाम सूची से कम हुए हैं। उनके मुताबिक इनमें मृत, स्थानांतरित और जिनका कोई पता नहीं चल पाया, ऐसे मतदाताओं के नाम शामिल थे।

इस दौरान राजू पाटील ने EVM, चुनाव आयोग और भाजपा पर भी जमकर निशाना साधा। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र की राजनीतिक परिस्थितियों का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा हिंदुत्व और प्रवासियों के मुद्दे पर राजनीति कर रही है।

वहीं, मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने कार्यकताओं को किसी भी तरह के विवाद या झगड़े में नहीं पड़ने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं, ऐसा राजू पाटील ने बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोधियों की ओर से मनसे को जानबूझकर विवादों में फंसाने और ट्रैप करने की कोशिश की जा रही है। राजू पाटील ने कार्यकताओं से पार्टी के आदेशों का पालन करते हुए संयम के साथ काम करने की अपील की।

चेंबूर के समाजसेवक अनिल चौहान का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चेंबूर के प्रसिद्ध समाजसेवक और उद्योगपति अनिल बच्चूभाई चौहान का जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। चेंबूर नाका स्थित महाराणा होटल में जन्मदिन के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े कार्यकताओं, मित्रों और शुभचिंतकों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अनिल चौहान को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। खास बात यह थी कि चौहान को जन्मदिन पर बधाई देने वालों में समाज के सभी वर्गों के लोग उपस्थित थे।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शिवसेना उपनेता सुबोध आचार्य, पूर्व नगरसेवक सुरेश (बुलेट) पाटील, समाजसेवक राजेंद्र नगराले, हिंदू राष्ट्र सेवा संघ महाराष्ट्र के अध्यक्ष राजा भाऊ सोनटक्के,अमित हिरवे, संजय सकपाल, अनिल परेराव, विशाल मोरे, संसारे, जेष्ठ पत्रकार ज्ञानेश्वर ठोंबरे, वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्रीकृष्णा सांगले, सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति और मित्रमंडली उपस्थित थी। गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में केक काटकर अनिल चौहान का जन्मदिन मनाया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके सामाजिक कार्यों के लिए भी शुभेच्छा व्यक्त की। जन्मदिन के अवसर पर उपस्थित लोगों के मनोरंजन के लिए संगीतमय कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक सराहा।

यदु यादव कोश के तत्वावधान में मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र, मेडल, स्कूल बैग, घड़ी और नगद पुरस्कार से किया सम्मानित

◆बेटियों को पढ़ाएं, उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करें, बेटियों के साथ गलत व्यवहार पर चुप न रहें - मनीषा यादव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। यादव समाज की पारिवारिक परिचय पुस्तिका यदु यादव कोश के तत्वावधान में मेधावी छात्र सम्मान समारोह-2026 का भव्य आयोजन कांदिवली पश्चिम के लालजी पाड़ा स्थित वेलफेयर हॉल में किया गया। समारोह की अध्यक्षता भाजपा नगरसेविका श्रीमती मनीषा कमलेश यादव ने की, जबकि पुणे के उद्योगपति यशवंत यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पूर्व नगरसेवक कमलेश यादव सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिकों ने समारोह में शिरकत कर मेधावी विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। समारोह में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र, मेडल, नोटबुक, कलाई घड़ी, स्कूल बैग, नगद राशि और दीवार घड़ी देकर सम्मानित किया गया। वहीं सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली मेधावी छात्रा अनुष्का रामसिंह यादव को उसकी प्रतिभा और मेहनत के प्रोत्साहन स्वरूप स्मार्ट मोबाइल फोन प्रदान किया गया। इस अवसर पर यदु यादव कोश के संपादक एस. एन. यादव ने मेधावी विद्यार्थियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि अच्छे अंक प्राप्त करने वाले बच्चे अपने माता-पिता के साथ-साथ पूरे यादव समाज का नाम रोशन करें। उन्होंने विद्यार्थियों से नकारात्मक बातों को नजरअंदाज कर अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। समारोह की अध्यक्षता कर रहीं नगरसेविका मनीषा कमलेश यादव ने कहा, मुझे यादव होने पर गर्व है। यादव समाज के लोग यदि एकजुट होकर काम करें तो इतिहास रच सकते हैं। उन्होंने बेटियों की शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि हर बेटी को शिक्षित कर अपने पैरों पर खड़ा करना समाज की जिम्मेदारी है। शिक्षित और आत्मनिर्भर बेटी जीवन में आने वाली विपरीत परिस्थितियों का मजबूती से सामना कर सकती है। उन्होंने कहा कि बच्चियों के साथ कहीं भी गलत व्यवहार होता है तो समाज को चुप नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसके खिलाफ मजबूती से आवाज उठानी चाहिए। पूर्व नगरसेवक कमलेश यादव ने कहा कि पुरस्कार केवल सम्मान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बच्चों का हौसला बढ़ाने और उन्हें आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन देने का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, आप चाहे जितने बड़े व्यक्ति बन जाएं, लेकिन संस्कारी जरूर बनें। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार ही व्यक्ति को वास्तविक ऊंचाई प्रदान करते हैं। पुणे के उद्योगपति यशवंत यादव ने विद्यार्थियों को भविष्य के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में केवल नौकरी पाने का लक्ष्य नहीं होना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे ऐसा मुकाम हासिल करें कि भविष्य में नौकरी लेने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बनें। समारोह में उद्योगपति सुनील विक्रमा यादव, पृथ्वी ग्रुप के निदेशक जनार्दन यादव, डॉ. के. एस. यादव, शिवपुजन यादव, लाल साहब यादव, भरत यादव, डॉ. शैलेश यादव, अवधेश यादव, डॉ. विश्वनाथ यादव, आचार्य सूरजपाल यादव, सभाजीत यादव, कन्हैया यादव, धर्मराज यादव, सुरेश यादव, हरेंद्र यादव, सर्वजीत यादव, महेंद्र यादव, प्रवेश यादव, एम. पी. यादव, रणविजय सुनील यादव, अध्यापक सुरेंद्र यादव, नवीन यादव, गायिका प्रमिला, कविता यादव, सुशीला यादव, सतीश यादव (मिमिक्री आर्टिस्ट) सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शिवतेज मित्र मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट ने धूमधाम से मनाया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

पालघर(उत्तरशक्ति)। शिवतेज मित्र मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट एवं केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलसी राम केवट के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ एवं शीतला माता मंदिर परिसर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्रों से जुड़े सम्मानित लोगों का आगमन हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में धर्मेंद्र शाह, संजय मास्टर, राजू यादव, शैलेंद्र माझी, सुरेश पांडे, राजीव रंजन सिंह, संतोष साहनी, सुनील लांडे, संजय बावरे मराठा, आशुतोष सिंह, सर्वेश सिंह, जे.पी. चौहान, राजू पाठक, पवन यादव, अशोक सिंह, अर्जुन नीलगम, राजू सिंह, सोनू जहांगीर, केशव यादव, मूरत सिंह, पंडित जीतू उपाध्याय, पंडित चांदमोल, बंसी गुप्ता, शिवलाल गुप्ता, माया राम गुप्ता, निमोर्ही यादव, गौरी भाई, वीरेंद्र सरोज, महात्मा रामनगिना दास, पप्पू सिंह, आनंद महतो एवं सूर्य नारायण चौधरी सहित अनेक कार्यकताओं और श्रद्धालुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर तुलसी राम केवट ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं, अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव हमें प्रेम, सद्भाव, सेवा और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी लोगों का धन्यवाद किया। काशी विश्वनाथ एवं शीतला माता मंदिर कमेटी की ओर से भी सभी श्रद्धालुओं और अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया गया।

आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन बचाने के लिए नागरी संरक्षण दल तैयार

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों को तत्काल और प्रभावी प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने तथा आपदा के समय बचाव कार्य के लिए प्रशिक्षित मानवबल तैयार करने के उद्देश्य से महाराष्ट्र शासन के गृह विभाग (विशेष), नागरी संरक्षण दल, तारापुर की ओर से नागरी संरक्षण मूलभूत प्राथमिक उपचार पाठ्यक्रम प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के ट्रेनिंग सेंटर में उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता टाटा स्टील ग्लोबल वायर इंडिया के चीफ ऑफ ऑपरेशंस सतीश वालेकर ने की। कार्यक्रम का संचालन विभागीय क्षेत्ररक्षक नरेश म्हस्के ने किया, जबकि कार्यालय प्रमुख एवं उपनियंत्रक के. आर. कुरकुटे ने प्रस्तावना रखी। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला उपनियंत्रक के मार्गदर्शन में किया गया।

इस अवसर पर NPCIL के सुरक्षा अधिकारी समीर कसालकर, टाटा स्टील ग्लोबल वायर तारापुर के सुरक्षा अधिकारी कौस्तुभ सिंग, उरफ अधिकारी कुणाल बारी तथा क्ळड अजित राऊत विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मान्यवरों ने प्राथमिक उपचार के महत्व तथा आपातकालीन परिस्थितियों में नागरी संरक्षण दल की भूमिका पर उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों का मार्गदर्शन किया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

रूस में पति की गिरफ्तारी से सहमी स्नेहा, सीएम योगी से लगाई मदद की गुहार

अरशद अली

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर क्षेत्र की रहने वाली स्नेहा गुप्ता का एक मार्मिक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में स्नेहा रूस से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भारत सरकार से अपने पति चंदन गुप्ता की सकुशल रिहाई और परिवार की सुरक्षा के लिए मदद की गुहार लगाती नजर आ रही हैं।

स्नेहा के मुताबिक, उनके पति चंदन गुप्ता पिछले करीब तीन वर्षों से रूस में रहकर एक भारतीय कंपनी में काम कर रहे हैं और उनके पास वैध वर्क वीजा है। उनका दावा है कि स्थानीय पुलिस ने चंदन को बिना स्पष्ट कारण बताए हिरासत में लेकर जेल भेज दिया। पति की गिरफ्तारी के बाद परिवार को उनकी वर्तमान स्थिति और हिरासत के कारणों की स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही है।

वीडियो में स्नेहा ने आशंका जताई है कि उनके पति को जबरन

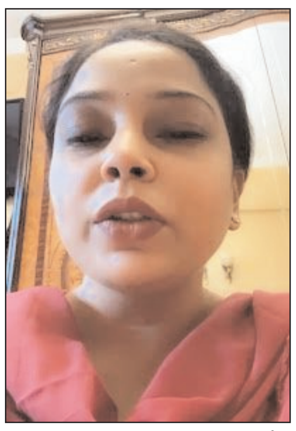

रूसी सेना में भेजा जा सकता है। हालांकि, इस दावे की अभी किसी आधिकारिक एजेंसी की ओर से पुष्टि नहीं हुई है। इस आशंका के चलते परिवार और स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ गई है।

स्नेहा इस समय अपने 10 वर्षीय बेटे के साथ रूस में ही रह रही हैं। पति के हिरासत में लिए जाने के बाद उन्होंने खुद और बेटे की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

परिवार की मांग है कि चंदन गुप्ता की गिरफ्तारी के कारणों की जानकारी कराकर उनकी स्थिति स्पष्ट कराई जाए। साथ ही, यदि उन्हें किसी कानूनी सहायता की जरूरत है तो भारतीय दूतावास के माध्यम से आवश्यक मदद उपलब्ध कराई जाए। मामले में अब सरकारी स्तर पर किसी आधिकारिक हस्तक्षेप या पुष्टि का इंतजार है।

विद्यार्थी केंद्र में, उत्कृष्टता लक्ष्य, नए संकल्प के साथ बढ़ेगा पीयू: कुलपति

कुलपति सभागार में कुलपति प्रो. आरके सिंह ने विद्यार्थियों से किया संवाद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने विश्वविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों से सोमवार को आह्वान किया कि वह अपने समय का अधिकतम उपयोग सार्थक शैक्षणिक एवं विकासात्मक गतिविधियों में करें। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी और उसकी शैक्षणिक एवं विकासात्मक गतिविधियां और प्रत्येक प्रयास विद्यार्थियों के ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व, व्यावसायिक विकास तथा रोजगार-क्षमता को बेहतर बनाने की दिशा में केंद्रित है।

कुलपति ने विद्यार्थियों से नियमित कक्षाओं में उपस्थित रहने के साथ-साथ प्रयोगशाला एवं प्रायोगिक कार्य, शिक्षकों के साथ शैक्षणिक संवाद, पुस्तकालय एवं डिजिटल संसाधनों का उपयोग, परियोजनाओं, इंटर्नशिप, सेमिनार, कार्यशालाओं, खेलकूद तथा अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की। विद्यार्थियों की समस्याओं को कुलपति ने गंभीरता से सुना और उसे शीघ्र ही कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने छात्रों आह्वान कि छात्र भी समस्या के समाधान में उनकी मदद करें। छात्रों के सवाल क्लासरूम, मेस, इक्विपमेंट, बिजली और पानी की समस्याओं से संबंधित थे। इस पर मीटिंग के तुरंत बाद कुलपति ने सीवी रमन हास्टल के मेस को चेक किया और उपकुलसचिव बबिता सिंह महिला छात्रावास का निरीक्षण

किया। कुलपति ने खेल ग्राउंड की शिकायत पर भी तुरंत निस्तारण किया। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में शिक्षण-अधिगम की गुणवत्ता और शैक्षणिक वातावरण को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर कदम उठाए जा रहे हैं। परिसर की आईटी एवं नेटवर्किंग अवसंरचना को बेहतर बनाने तथा वाई-फाई एवं डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में भी कार्य प्रारंभ किया गया है, ताकि विद्यार्थियों और शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण, अध्ययन एवं शोध संसाधनों तक बेहतर पहुंच मिल सके।

प्रो. आर. के. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें ज्ञान, व्यावहारिक कौशल, आत्मविश्वास और व्यावसायिक क्षमता से संपन्न बनाना है, जिससे उनके लिए बेहतर करियर एवं रोजगार के अवसर सृजित हो सकें।

उन्होंने स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय का विकास केवल प्रशासन और शिक्षकों के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से शैक्षणिक, शोध, नवाचार, कौशल-विकास, खेलकूद, सांस्कृतिक तथा अन्य रचनात्मक सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने का आग्रह किया।

कुलपति ने विद्यार्थियों से परिसर में शैक्षणिक अनुशासन, नियमितता, स्वच्छता तथा सकारात्मक अध्ययन वातावरण बनाए रखने में सहयोग करने और विश्वविद्यालय की सुविधाओं एवं संसाधनों का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने की अपील की। संवाद कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, डीएसडब्ल्यू प्रो. प्रमोद कुमार यादव, उप कुलसचिव अजीत सिंह, श्रीमती बबिता सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. श्याम कन्हैया, एनएसएस समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव शामिल थे।

कक्षा प्रतिनिधियों से आठ को संवाद करेंगे कुलपति

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में अध्ययनरत विद्यार्थियों के कक्षा प्रतिनिधियों (सीआर) के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह संवाद 8 सितंबर को अपराह्न 4 बजे कुलपति कार्यालय/समिति कक्ष में होगा। इस संबंध में अधिष्ठाता छात्र कल्याण की ओर से विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के समस्त विभागाध्यक्षों, संकायाध्यक्षों, निदेशकों एवं समन्वयकों को अपने-अपने विभाग में संचालित सभी पाठ्यक्रमों के कक्षा प्रतिनिधियों का विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

कुलपति सीवी रमन और डिप्टी रजिस्टर ने किया महिला छात्रावास का निरीक्षण

जलालपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 983 ग्राम गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत जलालपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने सिरकोनी स्टेशन माल गोदाम के पास से एक युवक को 983 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया। प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र विक्रम सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक नन्दकुमार राय ने हमराह पुलिसकर्मियों के साथ कार्रवाई करते हुए मनीष

कुमार मिश्रा (29) पुत्र स्व. प्रेमनारायण मिश्रा, निवासी मिसीरपुर, थाना जाफराबाद, जौनपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 983 ग्राम गांजा बरामद किया। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर थाना जलालपुर में मु0अ0सं0 398/2026, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

शिक्षक सम्मान समारोह में गुरुओं को किया गया सम्मानित

◆ शिक्षक ही राष्ट्र का निमार्ता है- डा.अमित राय

सुजानगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ट्रस्ट द्वारा क्षेत्र के प्रणवम एम्पायर सुजानगंज में पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षक एवार्ड से तीस शिक्षकों को कांग्रेस पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ के

प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अमित राय जी के द्वारा सम्मानित किया गया। शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए शिक्षक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डा.अमित राय ने शिक्षकों को देश की आधारशिला बताते हुए कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र का निमार्ता है। शिक्षक कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रोफेसर श्रवण कुमार गुप्ता ने कहा कि शिक्षा ही समाज और देश को सही मार्ग दिखाती है, शिक्षकों कि सम्मान देश का सम्मान है। कार्यक्रम के आयोजक कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को हमेशा अपने गुरुओं द्वारा दी गयी शिक्षा का सही अनुकरण कर देश और राष्ट्र के प्रगति में योगदान देना चाहिए। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

ब्लाक कांग्रेस कमेटी सुजानगंज के अध्यक्ष जयप्रकाश मिश्रा ने सभी अतिथियों को अंगवस्त्रम व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस मौके पर वित्तविहीन प्रबंधक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष अखिलेश सिंह, मुरारी सिंह, श्याम शंकर उपाध्याय, सन्तोष पटेल, अजीत शर्मा, जिला कांग्रेस कमेटी जौनपुर के सचिव इरशाद खान राजू, राजकुमार गुप्ता, धीरज उपाध्याय, विनय मिश्रा, प्रियंका सिंह, मुहम्मद ताहिर, दिव्या तिवारी, लोकेश दुबे, विनय मिश्रा, विश्वनाथ गौतम, विनोद पटेल, अजय प्रताप पटेल सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन कांग्रेस पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा ने किया।

11 लाख रुपये की ठगी करने वाला गिरफ्तार

तरवां,आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। संदीप जायसवाल पुत्र गिरिजाशंकर जायसवाल निवासी ग्राम व पोस्ट रासेपुर, थाना तरवां, जनपद आजमगढ़ के प्रार्थना पत्र के आधार पर मा0 न्यायालय के आदेश के क्रम में दिनांक 01.07.2026 को थाना तरवां पर अभियोग पंजीकृत किया गया कि नागेन्द्र यादव, डब्लू यादव निवासी कस्बा पहलवानपुर, थाना तरवां तथा दीपक गौड़ निवासी ग्राम भड़सर, थाना बिरनो, जनपद गाजीपुर द्वारा वन विभाग में कार्यरत होने तथा असम राइफल्स में नौकरी लगवाने का झांसा देकर वादी मुकदमा से कुल 11 लाख रुपये ले लिये तथा वादी के नाम से कूटरचित नियुक्ति पत्र तैयार कर वादी को भेजा गया तथा उसकी मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्र भी अपने पास रख लिये गये। नौकरी लगने का झांसा देकर वादी को गुवाहाटी भी भेजा गया, लेकिन बाद में नौकरी नहीं लगवाई गयी। रुपये वापस मांगने पर आरोपियों द्वारा जान से मारने तथा झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गयी। आज दिनांक 07.09.2026 को उ0नि0 रुपेश कुमार सिंह मय हमराह द्वारा आरोपी नागेन्द्र यादव पुत्र राजनाथ यादव, निवासी कस्बा पहलवानपुर, थाना तरवां, जनपद आजमगढ़, उम्र करीब 27 वर्ष को रासेपुर बाजार से समय करीब 09:45 बजे गिरफ्तार कर चालान मा0 न्यायालय किया गया ।

संभल में भीषण सड़क हादसा, ट्रक-ऑटो की टक्कर में छह की मौत, पांच घायल

संभल (उत्तरशक्ति)। बहजोई थाना क्षेत्र में रविवार सुबह मुरादाबाद-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बम्नेटा गांव के पास दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक ऑटो और ट्रक की जोरदार टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, ऑटो में सवार लोग कहीं जा रहे थे। इसी दौरान सामने अचानक एक वाहन आ जाने से ऑटो अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गया। हादसे में ऑटो चालक सौदान सिंह (40), रुवैद (30), ध्रुव (6), सरवाध्या (चार माह) सहित एक अज्ञात व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई। क्षेत्राधिकारी बहजोई स्तुति सिंह के अनुसार, रामपाल (35) ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में घायल पांच लोगों को चंदौसी, संभल और मुरादाबाद के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

वरिष्ठ पत्रकार शशि राज सिन्हा के ज्येष्ठ भ्राता विजय मोहन सिन्हा का निधन, पत्रकार जगत में शोक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जर्नलिस्ट एसोसिएशन (उपजा) जौनपुर के अध्यक्ष एवं मीडिया सेंटर के संचालक पत्रकार शशि राज सिन्हा के ज्येष्ठ भ्राता विजय मोहन सिन्हा का करीब 70 वर्ष

की आयु में निधन हो गया। वह पिछले दो माह से एम्स में उपचाराधीन थे। गंभीर बीमारी के चलते वह कोमा में थे और वेंटिलेटर पर जीवन के लिए संघर्ष कर रहे थे। उनका अंतिम संस्कार दिल्ली से करीब 125 किलोमीटर दूर गंगा किनारे स्थित गढ़मुक्तेश्वर गढ़ गंगा में पूरे नागरिक सम्मान के साथ किया गया। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर उन्हें अंतिम विदाई दी। उनके पुत्र अनुभव सिन्हा ने मुखाग्नि दी। विजय मोहन सिन्हा के निधन से पत्रकारिता जगत में शोक की लहर दौड़ गई। उत्तर प्रदेश जर्नलिस्ट एसोसिएशन के संरक्षक डॉ. ज्ञान प्रकाश सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रो. डॉ. आसाराम, महामंत्री आफताब आलम, सौरभ श्रीवास्तव, संपादक जय प्रकाश मिश्र, वीरेंद्र गुप्ता, जनार्दन मिश्रा, सोनू उपाध्याय समेत अन्य पत्रकारों ने गहरा शोक व्यक्त किया। पत्रकारों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

बीआरपी मैदान पर जुटेगी रामानुरागियों की भीड़ समन्वयक बैठक मे बनी योजना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज रविवार को अपराह्न 3 बजे उत्सव मोटल के बैंक्वेट हॉल में बीआरपी इंटर कॉलेज, जौनपुर के मैदान पर होने वाली नौ दिवसीय श्री रामकथा की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए समन्वय बैठक आयोजित की गयी। मालूम हो कि सेवा भारती के बैनर तले आयोजित होने वाली श्रीराम कथा स्थानीय बीआरपी इण्टर कालेज के मैदान पर होगी। आगामी 21 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2026 तक चलेगी। 20 अक्टूबर 2026 को कलश एवं शोभा यात्रा का कार्यक्रम होगा।

कलश यात्रा का रुट मैप, कलश यात्रा को सुगम बनाने हेतु कलश वितरण पर चर्चा की गई। कलश यात्रा की एकरूपता हेतु परिधान, झांकियां एवं शोभा यात्रा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था सहित विभिन्न महत्वपूर्ण आयामों पर परिचर्चा करके उसकी रूपरेखा तैयार की गयी।

श्री रामकथा के मुख्य आयोजक ज्ञानप्रकाश सिंह नें कहा की यह कलश यात्रा भव्यता से परिपूर्ण होगी जिसकी तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली गयी है। सभी के समन्वित प्रयास से दिव्य और भव्य श्रीराम कथा का

आयोजन करने के प्रति हम संकल्पित है। जनपदवासियों के लिए यह कथा ऊर्जा प्रदान करेगी और उन्हें एक नये प्रकार की अनुभूति प्राप्त होगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मुरली पाल, प्रान्त कार्यवाह, काशी प्रांत, प्रांत संघचालक अंगराज सिंह, डॉ तेज सिंह, विभाग प्रमुख, सेवाभारती, अनिल गुप्ता, जिलाध्यक्ष सेवाभरती, प्रेमचंद शुक्ल सह जिला संघचालक, ब्रम्हेश शुक्ल, यमद्ग्नीपुरम, विद्वत समिति, डॉ उदयराज सिंह, पप्पू माली जी, राष्ट्रीय सचिव, अपना दल 'एस', निखिलेश सिंह जी, पूर्व अध्यक्ष, दुर्गा पूजा महासमिति, अरविन्द सिंह, माउंट लिट्रा, डॉ अरुण सिंह, शशांक सिंह 'रानू', डॉ मधुकर तिवारी, श्री बबलू दूबे, मयंक नारायण, जेपी श्रीवास्तव, अतुल सिंह, ऋचा सिंह, मीना यादव, सोनी जायसवाल, नारायण चौरसिया, प्रदीप सिंह 'रिंकू', उर्वशी सिंह, प्रीति गुप्ता, अंजना श्रीवास्तव, डॉ अंजना सिंह, रजनी साहू, मिलन गुप्ता, प्रांजल पटेल, पूनम पटेल सहित अन्य विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लायंस क्लब जौनपुर रॉयल ने शिक्षकों को किया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शिक्षक दिवस के अवसर पर लायंस क्लब जौनपुर रॉयल की ओर से शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों को शिक्षा एवं समाज के प्रति उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे विद्यार्थियों को केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि उनके चरित्र एवं भविष्य का भी निर्माण करते हैं। उन्होंने लायंस क्लब के इस प्रयास की सराहना की।

समारोह में संस्था के संस्थापक अध्यक्ष अजय गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर, पूर्व अध्यक्ष संजीव साहू एवं कार्यक्रम संयोजक विनीत गुप्ता सहित क्लब के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन गोपाल जी साहू एवं अजय कुमार सोनकर ने किया।

इस अवसर पर संस्था के सदस्यों एवं मातृशक्ति की गरिमामयी उपस्थिति रही। क्लब पदाधिकारियों

ने सम्मानित शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। वहीं शिक्षकों ने भी क्लब के इस प्रयास को सराहनीय बताया।

अंत में क्लब के सचिव आशीष गुप्ता ने सभी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर समाजसेवा के लिए शुभकामनाएं दीं।

स्वाइन फ्लू/इन्फ्लुएंजा से बचाव को लेकर मेडिकल कॉलेज जौनपुर में जागरूकता अभियान

एमबीबीएस छात्रों ने नुक्कड़ नाटक से दिया स्वास्थ्य संदेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर द्वारा स्वाइन फ्लू/इन्फ्लुएंजा के प्रति आमजन को जागरूक करने एवं संक्रमण की रोकथाम के उद्देश्य से निरंतर जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में मेडिकल कॉलेज परिसर में टइइर छात्र-छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर लोगों को इन्फ्लुएंजा के लक्षण, संक्रमण से बचाव तथा आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक किया गया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने प्रभावी एवं सरल संवाद के जरिए बताया कि बुखार, खांसी, जुकाम, गले में खराश, शरीर में दर्द एवं कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई देने पर सतर्क रहना आवश्यक है। विद्यार्थियों ने हाथों की नियमित सफाई, खांसते अथवा छींकते समय मुंह एवं नाक को ढकने, आवश्यकता के अनुसार मास्क का प्रयोग करने तथा संक्रमण के लक्षण होने पर दूसरों से उचित दूरी बनाए रखने का संदेश दिया।

नुक्कड़ नाटक के दौरान विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य संबंधी अफवाहों से बचने, बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का सेवन न करने तथा लक्षण गंभीर होने पर तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लेने के लिए भी लोगों को प्रेरित किया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने आमजन को यह संदेश दिया कि जागरूकता एवं सावधानी के माध्यम से संक्रमण के प्रसार को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) आर.बी. कमल ने कहा–जागरूक नागरिक ही संक्रमण नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि संक्रामक रोगों की रोकथाम केवल चिकित्सा संस्थानों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें समाज की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी उपलब्ध कराना और उन्हें आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक करना इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।

उन्होंने एमबीबीएस विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किए जा रहे जनजागरूकता प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि चिकित्सा शिक्षा के साथ विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने ज्ञान एवं व्यवहार के माध्यम से समाज में स्वास्थ्य जागरूकता का प्रभावी संदेश पहुंचा सकते हैं।

प्राचार्य ने आमजन से अपील की कि इन्फ्लुएंजा से संबंधित किसी भी प्रकार की अपुष्ट सूचना अथवा अफवाह पर विश्वास न करें और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के लिए विश्वसनीय चिकित्सा स्रोतों एवं योग्य चिकित्सकों पर भरोसा करें।

अस्पताल में मरीजों की सुविधा एवं उपचार व्यवस्था पर विशेष ध्यान: मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो. (डॉ.) ए.ए. जाफरी ने कहा कि मौसम में होने वाले परिवर्तन एवं वायरल संक्रमण के मामलों को ध्यान में रखते हुए मेडिकल कॉलेज के चिकित्सालय में मरीजों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मरीजों की समयबद्ध जांच, चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार सुनिश्चित करने के साथ-साथ आवश्यक दवाओं, जांच सुविधाओं एवं चिकित्सा सामग्री की उपलब्धता की नियमित समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीजों को उनकी आवश्यकता के अनुसार उचित चिकित्सकीय मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि इन्फ्लुएंजा जैसे लक्षण दिखाई देने पर घबराने के बजाय समय से चिकित्सकीय सलाह लें और स्वयं से दवा लेने से बचें। उन्होंने कहा कि संक्रमण की रोकथाम में व्यक्तिगत स्वच्छता, सावधानी एवं समय पर उपचार की महत्वपूर्ण भूमिका है।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने दिया संदेश: सामुदायिक चिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. अनुज सिंह ने बताया कि जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत टइइर विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक को माध्यम बनाकर स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियों को आमजन तक सरल भाषा में पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों को समाज की स्वास्थ्य आवश्यकताओं से जोड़ने के साथ-साथ जनस्वास्थ्य के प्रति उनकी जिम्मेदारी को भी मजबूत करती हैं। उन्होंने बताया कि लोगों को विशेष रूप से हाथों की स्वच्छता, श्वसन संबंधी शिष्टाचार, मास्क के उचित उपयोग, भीड़भाड़ वाले स्थानों में सावधानी तथा लक्षण होने पर समय से चिकित्सकीय परामर्श लेने के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

कार्यक्रम में डॉ. विनोद कुमार, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. आदर्श यादव, डॉ. मुदित चौहान, डॉ. पूजा पाठक, डॉ. नवीन कुमार, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. नितेश कुमार सहित चिकित्सा शिक्षक, टइइर छात्र-छात्राएं एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

डीडीएस में विद्यार्थियों को किया प्रेरित, स्तन व सर्वाइकल कैंसर पर दी जानकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डीडीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में प्रेरणा एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों को अनुशासन, सकारात्मक सोच, लक्ष्य के प्रति समर्पण और निरंतर मेहनत के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही स्तन एवं सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूक किया गया।

मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश हेल्थ एंड वेलफेयर प्रमोशन ट्रस्ट के अध्यक्ष दिनेश कुमार यादव ने कहा कि शिक्षा के साथ स्वास्थ्य जागरूकता भी युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए जरूरी है। उन्होंने समय पर जांच और चिकित्सकीय सलाह के महत्व पर जोर देते हुए विद्यार्थियों से अपने परिवार की महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए प्रेरित करने की अपील की।

इस दौरान ह्यबेस्ट परफॉर्मर ऑफ द डेह्न सम्मान से उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नैंसी एवं इब्राहिम को सम्मानित किया गया। संस्थान की प्रबंधक मिस आरती सिंह ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की।

इंदौर देश में दूसरे नंबर पर: दिल्ली में मिला राष्ट्रीय स्वच्छ वायु सराहना पुरस्कार

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। देश में स्वच्छता में नंबर है , ही अब इंदौर ने स्वच्छ वायु के मामले में भी बड़ी उपलब्धि हासिल की है। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026 में इंदौर को देश में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित स्वच्छ वायु दिवस समारोह में इंदौर को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु सराहना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।देश में स्वच्छता में नंबर वन इंदौर ने स्वच्छ वायु के मामले में भी बड़ी उपलब्धि हासिल की है। सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित स्वच्छ वायु दिवस समारोह में इंदौर को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु सराहना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।पुरस्कार महापौर पुष्यमित्र भार्गव, नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल और स्वच्छता प्रभारी अश्विनी शुक्ला ने ग्रहण किया। आधिकारिक रैंकिंग की घोषणा 7 सितंबर 2026 सोमवार को नई दिल्ली में की गई। बता दें कि इस सर्वे में पहले स्थान पर लखनऊ और तीसरे स्थान पर जबलपुर आया है।

शिक्षा-रोजगार के मुद्दों को लेकर जारी है पूर्वांचल यात्रा,म्योरपुर के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क और संवाद,

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जवाबदेह सरकार की मांग को लेकर मिजार्पुर से शुरू हुई पूर्वांचल यात्रा सोनभद्र जनपद में लगातार जारी है। यात्रा के तहत म्योरपुर ब्लॉक के रनटोला, आश्रम, किरवानी, खैराही, कुसुम्हा, कुंडाडीह, डडीयरा और रासपहरी समेत विभिन्न गांवों में जनसंपर्क कर ग्रामीणों से संवाद किया गया। यात्रा के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के साथ माइक्रोफाइनेंस कंपनियों द्वारा की जा रही कथित अत्यधिक ब्याज वसूली, पूंजी पलायन, कॉर्पोरेट संपत्तियों पर टैक्स, पूंजी के नियंत्रण व नियमन, पर्यावरण संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों की लूट पर रोक लगाने जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठाए जा रहे हैं।

ग्रामीणों ने यात्रा में शामिल लोगों को क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराते हुए बदहाल शिक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, शुद्ध पेयजल की समस्या, माइक्रोफाइनेंस कंपनियों की कथित मनमानी तथा मनरेगा मजदूरी के बकाये का मुद्दा उठाया। इस दौरान आगामी 20 सितंबर को वाराणसी में आयोजित होने वाले ह्यनई पीढ़ी संवादह्न में अधिक से अधिक लोगों से शामिल होने की अपील की गई। वक्ताओं ने कहा कि प्रत्येक नागरिक के संवैधानिक अधिकारों की गारंटी करना सरकार का दायित्व है। नई पीढ़ी ने सरकार, संवैधानिक संस्थाओं और राजनीतिक प्रतिनिधियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने की आवाज को देश के कोने-कोने तक पहुंचाने का कार्य किया है। पूर्वांचल यात्रा में ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के जिला संयोजक कृपाशंकर पनिका, रोजगार-सामाजिक अधिकार अभियान की रूबी सिंह गोंड, सविता गोंड, राजेंद्र प्रसाद गोंड, गुंजा गोंड, राम विचार गोंड, दया शंकर गोंड, इंद्रदेव खरवार, अंतलाल खरवार, राजकुमार खरवार, चंचल गोंड सहित अन्य लोग शामिल रहे।

रास्ते में रोककर युवक पर चाकुओं से हमला, हालत गंभीर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के त्रिलोचन छतरी मार्ग के पास सोमवार को बाइक सवार एक युवक को रास्ते में रोककर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में 27 वर्षीय किसान यादव पुत्र राजेश यादव, निवासी बरइयापुर, थाना जलालपुर गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित के अनुसार, वह सोमवार दोपहर बाइक से कहीं जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में करीब 10 से 20 लोगों ने उसे रोक लिया और मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों से हमला करने के साथ चाकू से भी वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

बताया जा रहा है कि घटना के समय बाइक पर एक अन्य युवक भी मौजूद था। अचानक हुई मारपीट से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल किसान यादव को एंबुलेंस के जरिए आनन-फानन में जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। हमले के कारणों और आरोपियों की पहचान को लेकर पुलिस छानबीन कर रही है।

सोनभद्र की अधिवक्ता बिंदू यादव सपा महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव मनोनीत, डीबीए सभागार में स्वागत समारोह, अधिवक्ताओं ने दी बधाई

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा राजभर बागी (भावना) ने 31 अगस्त 2026 को सोनभद्र की वरिष्ठ अधिवक्ता एवं डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन की उपाध्यक्ष बिंदू यादव को सपा महिला सभा का राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया। उनके मनोनयन पर सोमवार को रॉबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सभागार में स्वागत समारोह आयोजित किया गया। डीबीए अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह और पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह ने पुष्प भेंट कर बिंदू यादव का स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी।

सोनांचल संघर्षवाहिनी के संयोजक एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रोशनलाल यादव ने भी हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं। महिला अधिवक्ताओं पुष्पा तिग्गा, सुशीला वर्मा, चंद्रावती जैसवार, पार्वती, आसमा, सोनी और अंजू ने माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर डीबीए के पूर्व महामंत्री प्रदीप मौर्या सहित कामता यादव, राजेश यादव, सुरेश सिंह, दशरथ सिंह, राम जियावन सिंह यादव, चतुर्भुज शर्मा, अनिल यादव, राजदीप सिंह, सिरवंत यादव, धीरेन्द्र और बबुनंदर सिंह समेत अन्य अधिवक्ताओं ने पुष्प भेंट कर बधाई दी। बिंदू यादव एडवोकेट ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

अमिताभ बच्चन ने जेन जी के जीवन के प्रति ताजगी भरे नजरिए पर साझा किए विचार

पटना। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का कौन बनेगा करोड़पति 18 अमिताभ बच्चन की गहरी बातचीत और विचारों को दर्शकों तक पहुंचा रहा है। हाल ही के एक एपिसोड में उन्होंने आज की जेन जी पीढ़ी के जीवन के प्रति ताजगी भरे नजरिए की सराहना की। अमिताभ बच्चन ने कहा कि जेन जी जिंदगी के परफेक्ट होने का इंतजार नहीं करती, बल्कि उसे जीते हुए आनंद लेती है। यह पीढ़ी रोजमर्रा के छोटे-छोटे पलों में भी खुशी ढूंढती है और जीवन को जैसा है, वैसे ही अपनाती है। उन्होंने कहा, इनको खुश रहने के लिए भी कोई बड़ी वजह नहीं चाहिए। ये उन लोगों में से नहीं हैं जो जिंदगी के परफेक्ट होने का इंतजार करते हैं, बल्कि ये कहते हैं कि ज़िंदगी को सिर्फ.हासिल नहीं करना है, उसे एन्जॉय भी करना है। कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18 हर सोमवार से शुक्रवार रात 9:00 बजे, सिर्फ.सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर।

गणितज्ञ डॉ. रवि प्रकाश सिंह का हमारा प्रयास फाउंडेशन ने किया सम्मान

मुंबई। शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में जरूरतमंदों की सेवा में सक्रिय हमारा प्रयास फाउंडेशन की ओर से रविवार देर शाम सांताक्रूज (पश्चिम) स्थित गांव देवी मंदिर हॉल में स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में प्रसिद्ध गणितज्ञ एवं राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता डॉ. रवि प्रकाश सिंह का सामाजिक सत्कार कर उनके योगदान याद किया गया।

सम्मान समारोह के बाद सत्कारमूर्ति डॉ. रवि प्रकाश सिंह ने फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम आयोजक रामबक्स सिंह के सामाजिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह जानकर प्रसन्नता हुई कि हमारा प्रयास फाउंडेशन शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों के लिए सराहनीय कार्य कर रहा है। विशेष रूप से कैंसर मरीजों की मदद के लिए संस्था द्वारा किए जा रहे कार्य उल्लेखनीय हैं।

डॉ. सिंह ने कहा कि मुंबई जैसे महानगर में दूर-दराज के क्षेत्रों से कैंसर का उपचार कराने आने वाले मरीजों को आर्थिक सहायता देने के साथ उनके लिए आवासीय सुविधा उपलब्ध कराना बेहद सराहनीय और पुण्य का कार्य है। ऐसे प्रयास जरूरतमंद मरीजों और उनके परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित होते हैं।

फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम आयोजक रामबक्स सिंह ने कहा कि अपने समाज के प्रकांड गणित विद्वान डॉ. रवि प्रकाश सिंह का सम्मान करने का अवसर मिलना संस्था के लिए गौरव की बात है। रामबक्स सिंह ने बताया कि हमारा प्रयास फाउंडेशन प्रत्येक वर्ष डॉक्टर्स डे के अवसर पर कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है। इसमें कैंसर रोग विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल होकर लोगों को कैंसर के शुरूआती लक्षण, बचाव और समय पर उपचार के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी देते हैं। संस्था का उद्देश्य लोगों में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ जरूरतमंद मरीजों को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री चंद्रकांत त्रिपाठी, तीर्थराज सिंह, दीप नारायण शुक्ला, उदय प्रताप सिंह, रत्नेश सिंह, जगदीश सिंह, बाबा दुबे, अरविंद सिंह, रजनीश सिंह, शिवनारायण सिंह, मुकेश सिंह, धर्मेंद्र सिंह, जोखन सिंह, दिग्विजय सिंह, रामशंकर सिंह, अखिलेश सिंह, रामचंद्र सिंह, जनार्दन, राजन मिश्रा, दयाशंकर सिंह, एचएन सिंह और अमित सिंह सहित संस्था के सभी कार्यकर्ता तथा पदाधिकारी उपस्थित थे।

वाहन चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार ,दो बाइक, स्कूटी और चोरी की बाइक का इंजन बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नेवढ़िया थाना पुलिस ने वाहन चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिल, एक स्कूटी तथा चोरी की एक मोटरसाइकिल का इंजन बरामद किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष निखिलेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 7 सितंबर को मुखबिर की सूचना पर सीतमसराय नई पुल के पास से साहिल कुमार उर्फ गोलू निवासी आशापुर, थाना जलालपुर तथा विनोद ठठेरा निवासी पुरेव, थाना जलालपुर को गिरफ्तार किया।

मामला 5 सितंबर का है। जीतापुर उसरांव निवासी धनंजय राजभर ने नेवढ़िया थाने में तहरीर देकर बताया था कि उनके पुत्र की अपाची मोटरसाइकिल संख्या वढ 62 अह 8327 सीतमसराय बाजार में दिनेश सेठ की दुकान के पास से अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो चोरी की मोटरसाइकिल, एक स्कूटी और चोरी की एक मोटरसाइकिल का इंजन बरामद किया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उनके खिलाफ नेवढ़िया और जलालपुर थाने में चोरी से संबंधित मुकदमे दर्ज हैं।

नवकुंभ साहित्य सेवा संस्थान की विशेष काव्यगोष्ठी संपन्न

मुंबई। साहित्यिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक राष्ट्रीय संस्था नवकुंभ साहित्य सेवा संस्थान द्वारा विशेष काव्यगोष्ठी का आयोजन रविवार 6 सितंबर 2026 रुनवाल टावर प्रांगण, मुलुंड मुंबई में किया गया। जिसकी अध्यक्षता अवनीश कुमार दीक्षित ने किया तथा मुख्य अतिथि के रूप में मुलुंड शहर के उत्कृष्ट समाजसेवी डॉ संजय दुबे उपस्थित थे। मंच का खूबसूरत संचालन नरसिंह हैरान जौनपुरी ने अपने नपे-तुले शब्दों में किया। विशेष कविगोष्ठी का शुभारंभ मां सरस्वती को पुष्प अर्पित करते हुए दीप प्रज्वलित करके संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल कुमार राही के सरस्वती वंदना से किया गया।आमंत्रित साहित्यकारों में वरिष्ठ साहित्यकार नंदलाल क्षितिज, श्रीमती शिल्पा सोनटक्के,डॉ बृजबाला सूरी,डॉ अरुण प्रकाश मिश्र अनुरागी,संस्था के राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप, श्रीमती ललिता मढ़इया के साथ श्रोता के रूप में युक्ती सूरी,विशाल सूरी एवं श्रीमती शीतल ताई उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन डॉ बृजबाला सूरी एवं संयोजन संस्थापक अध्यक्ष अनिल कुमार राही ने किया।उक्त दोनों आयोजन कर्ता ने उपस्थित सभी साहित्यकार अतिथियों का सम्मान श्रीफल एवं अंगवस्त्र देकर किया। तत्पश्चात डॉ बृजबाला सूरी द्वारा लिखित पुस्तक डॉ हरिवंश बच्चन - हालावाद और उनकी संवेदनाएं का विमोचन हुआ।गोष्ठी में कृष्ण जन्माष्टमी एवं शिक्षक दिवस पर केंद्रित काव्य पाठ से सभी श्रोता मंत्रमुग्ध हुए। अंत में मुख्य अतिथि के साहित्यिक उद्बोधन ने सभी को प्रभावित किया तथा अध्यक्षता कर रहे अवनीश कुमार दीक्षित के समीक्षा ने सभी को गौरवान्वित किया तथा उनकी रचनाएं सभी के हृदय को छू गई। अंत में डॉ बृजबाला सूरी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए गोष्ठी का समापन किया।

प्राथमिक विद्यालय नौवाड़ाडीह में औचक निरीक्षण, दो शिक्षक अनुपस्थित मिले

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर ने सोमवार को विकासखंड मुंगराबादशाहपुर के प्राथमिक विद्यालय नौवाड़ाडीह का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में कई खामियां सामने आईं। दो सहायक अध्यापक बिना सूचना के अनुपस्थित मिले, जबकि शिक्षण कार्य, साफ-सफाई, मध्याह्न भोजन पंजिका और सरकारी योजनाओं से संबंधित अभिलेखों में भी अनियमितताएं पाई गईं।

निरीक्षण के दौरान सहायक अध्यापक अजय कुमार मिश्र और अर्चना कुमारी बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए। टाइम एंड मोशन शासनादेश का पालन नहीं करने पर दोनों शिक्षकों का सितंबर माह का वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही दोनों से साक्ष्य सहित स्पष्टीकरण मांगा गया है।

वहीं, प्रधानाध्यापक अमित कुमार गुप्त भी उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर करने के बाद विद्यालय से अनुपस्थित मिले। पंजिका के अवलोकन में अनुपस्थित शिक्षकों के कॉलम भी खाली पाए गए। बीएसए ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए प्रधानाध्यापक के विरुद्ध अनुशासनात्मक एवं विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मध्याह्न भोजन पंजिका की जांच में सितंबर माह की कोई प्रविष्टि दर्ज नहीं मिली। विद्यालय की साफ-सफाई और रंगाई-पुताई की स्थिति भी संतोषजनक नहीं थी। कक्षाओं में गंदगी और विद्यालय परिसर में अव्यवस्था मिली। इसके अलावा विद्यार्थियों का अधिगम स्तर भी अपेक्षा के अनुरूप नहीं पाया गया।

निरीक्षण में विद्यालय में इको क्लब का गठन नहीं होने तथा कंपोजिट ग्रांट, टीएलएम और स्पोर्ट्स ग्रांट से संबंधित धनराशि के उपयोग में भी अनियमितताएं सामने आईं। इस पर विद्यालय विकास के लिए प्राप्त धनराशि के उचित उपयोग को लेकर सवाल उठाए गए। बीएसए ने विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों और शिक्षामित्रों को परिसर, कक्षाओं तथा शौचालयों की नियमित साफ-सफाई कराने, टाइम एंड मोशन व्यवस्था का पालन करने और उपलब्ध शिक्षण सामग्री का प्रभावी उपयोग करने के निर्देश दिए। साथ ही विद्यार्थियों को निर्धारित समय में निपुण बनाने के लिए गंभीरता से प्रयास करने को कहा।

मानवता के सच्चे हमदर्द: गरीबों और पत्रकारों की बुलंद आवाज हैं संपादक दिलशाद एस. खान

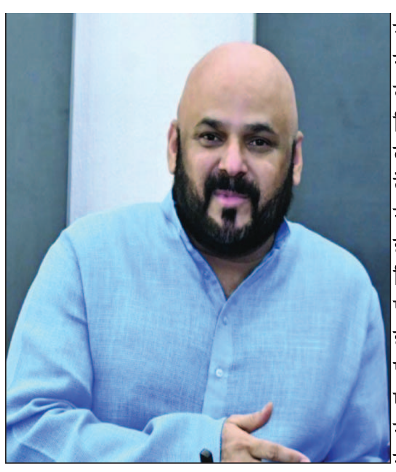

मुंबई। 'महाराष्ट्र की पत्रकारिता और समाज सेवा के क्षेत्र में दिलशाद एस. खान किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। वह एक ऐसे बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने न केवल पत्रकारिता के स्तर को ऊँचा उठाया है, बल्कि समाज के हर वर्ग के लिए न्याय और सम्मान की लड़ाई भी लड़ी है। हिंदी दैनिक 'मुंबई हलचल' के संपादक के रूप में उन्होंने हमेशा निष्पक्ष और जन-हितैषी पत्रकारिता को प्राथमिकता दी है।मानवाधिकारों और पत्रकारों के रक्षक दिलशाद एस. खान केवल एक संपादक ही नहीं, बल्कि समाजसेवियों और मानव अधिकार कार्यकर्ताओं की अग्रिम पंक्ति के नेता हैं। पत्रकारों के हितों की रक्षा करना और समाज में उनके अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करना उनके जीवन का मुख्य ध्येय रहा है।

जब भी किसी लाचार, गरीब या मजबूर व्यक्ति पर अन्याय होता है, तो 'मुंबई हलचल' उसकी ढाल बनकर खड़ा होता है।सर्वधर्म समभाव और महापुरुषों के प्रति आदरदिलशाद एस. खान सर्वधर्म सम्मान के एक सच्चे प्रतीक हैं। वह सभी धर्मों, समाजों और उनके महापुरुषों का दिल से आदर करते हैं। उनके अनुयायियों के प्रति भी उनके मन में अगाध सम्मान है।

कारण है कि समाज का हर तबका उन्हें अपना सच्चा शुभचिंतक और हमदर्द मानता है।शासन-प्रशासन तक पहुँचाते हैं जनता की आवाज अपनी लेखनी और अखबार के माध्यम से वह समाज की दबी-कुचली आवाजों को शासन और प्रशासन के गलियारों तक पहुँचाते हैं। वह सिर्फ समस्याओं को उठाते ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक स्तर पर उनका उचित समाधान करवाने के लिए भी हर संभव प्रयास करते रहते हैं। मानवता के प्रति उनका यह जज्बा उन्हें दूसरों से अलग और बेहद खास बनाता है।'मुंबई हलचल' को दिल से सलाम दिलशाद एस. खान की इस निस्वार्थ सेवा, उनकी अम्मी की दुआ से और उनके इस खूबसूरत प्रयास 'मुंबई हलचल' को सम्मान देते हुए कुछ पंक्तियाँ बिल्कुल सटीक बैठती हैं:करते मुंबई हलचल हम दिल से तुझे सलाम,सारे जहाँ के हम तक पहुँचा रहा पयाम।दिलशाद खान ने 'मुंबई हलचल' सुंदर दिया है तुझको नाम,उनकी माँ की दुआ से सारे देश में गूँज रहा उनका नाम।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत चार वर्षीय बच्ची बरामद ,परिजनों से बिछड़ी बच्ची को मिशन शक्ति टीम ने सुरक्षित परिजनों को सौंपा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान (रटक्छए) अभियान के तहत कोतवाली नगर पुलिस और मिशन शक्ति टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए परिजनों से बिछड़ी चार वर्षीय बच्ची को सुरक्षित बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

पुलिस के अनुसार, 6 सितंबर की शाम सूचना मिली कि करीब चार वर्षीय बच्ची कोतवाली चौराहे पर अपने परिजनों की तलाश में रो रही है। सूचना मिलते ही मिशन शक्ति टीम मौके पर पहुंची और बच्ची को अपनी सुरक्षा में लेकर उसके परिजनों की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने आसपास के क्षेत्र में पूछताछ करने के साथ बच्ची के परिजनों की जानकारी के लिए प्रचार-प्रसार कराया। इसी दौरान बच्ची की पहचान राधिका मिश्रा पत्नी अवधेश मिश्रा, निवासी बीबीपुर, पोस्ट सादनपुर, थाना बक्शा, जौनपुर के परिवार से हुई। बताया गया कि परिजन बाजार में किसी काम से आए थे और इसी दौरान बच्ची उनसे बिछड़ गई थी। पुलिस ने आवश्यक सत्यापन के बाद बच्ची को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बच्ची के सुरक्षित मिलने पर परिजनों के चेहरे पर खुशी लौट आई। परिजनों ने पुलिस टीम की तत्परता और मानवीय पहल की सराहना की। बच्ची को बरामद करने वाली मिशन शक्ति टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक चरण सिंह, कांस्टेबल तेजभवन, महिला कांस्टेबल अर्चना मौर्या और महिला कांस्टेबल रोली सिंह शामिल रहीं।

चरम पर रही श्रद्धालुओं की श्रद्धा और देखने को मिला सेवा भाव का जज्बा

चिराना (उत्तरशक्ति)। शेखावाटी का प्रसिद्ध लोहार्गल मेला गोगा नवमी से शुरू होकर अमावस्या मुख्य स्नान के साथ समाप्त होगा। भाद्रपद अमावस्या को भरने वाला मेला कई बातों के लिये खास माना जाता है। सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां का प्राकृतिक परिवेश है।अरावली की पहाड़ियां,हरियाली ओर शांत वातावरण के बीच धार्मिक स्थल मन को सहज ही आकृष्ट करता है। यही कारण है कि लोहार्गल आने वाला व्यक्ति केवल धार्मिक अनुभूति ही नहीं करता अपितु प्राकृतिक के निकट होने का सुख भी करता है ओर सात दिन के दौरान कई स्थानों से जुड़ते गुजरते दूर दराज के श्रद्धालु आनंद की अनुभूति करते हैं और भंडारो में रसस्वादन भी । दूर के श्रद्धालु तो 2 दिन पहले ही लोहागर्ल स्नान कर अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करते है जबकि पास पड़ोस व स्थानीय लोग अमावस्या का मुख्य स्नान कर नहाने और परिक्रमा का पुण्य कमाने के लिए राजी होते हैं। गढ़ बालाजी सेवा समिति के अध्यक्ष भवानी सिंह शेखावत ने बताया कि इस लोहार्गल मेले में नाटाणी परिवार द्वारा संचालित चार दिन तक भंडारा संस्कृत कॉलेज के पास दिया गया ओर यह भी कहा कि इस परिवार की ओर से इस बार यह चौथा भंडारा लगाया गया है। आपको बता दे कि कॉलेज के सामने सेवा का शुभारंभ गढ़ समिति ने ही किया था तथा लगातार 3 वर्षो तक गढ़ सेवा समिति के सदस्यों की ओर से शुरूवाती दौर में लगाया जाता रहा, पर अब इस पुनीत काम को सुचारू रूप से चलाते हुए नाटाणी परिवार सेवा का जज्बा लिए हुए पूरा परिवार अपने काम काज छोड़ इस सेवा भावी कर्म को ही महत्व देते है ओर जितनी सेवा इनसे बन पड़ती है, हर साल करते हैं।

इस दौरान समिति के ही डॉ शिव कुमार शर्मा परिक्रमा में आए हुए श्रद्धालुओं की दर्द पीड़ा दूर करने हेतु चिकित्सा सेवा देते रहे है ।इनके अलावा समिति के राजेश सोनी, जीतेश अग्रवाल, लोकेश शर्मा, दिलीप सिंह राठौड़, प्रदीप शर्मा,संतोष शर्मा सहित नाटाणी परिवार के सदस्यों द्वारा सेवा दी जा रही है और उन्होंने अपने काम को छोड़कर पहले परिक्रमार्थियों की सेवा करना अपना परम कर्तव्य मान रखा है। इनके अलावा किरोड़ी घाटी में पिछले कई सालों से समाज सेवी गिरधारी लाल इंदौरिया बड़ा भंडार का आयोजन करते आए है।यहां शुद्ध सात्विक नींबू पानी ,गन्ने का ज्यूस,फलाहारी, पकौड़े व चाय नाश्ते के अलावा मेडिकल सेवा भी करते हैं। यहां पर जितेंद्र सैन उर्फ गुड्ड,कैलाश सैनी,राकेश कुमावत, चेतन कुमावत, भिवा सैनी,संदीप सैनी सहित इंदौरिया परिवार सेवा में तत्पर रहता है और आने वाले परिक्रमार्थियों का मन भजनो की बाहर से आनंद का सुख प्राप्त करने जैसा स्वतःही बन जाता है।

मारपीट में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत , आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजनों का हंगामा,

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नेवढ़िया थाना क्षेत्र के वृंदावन गांव में एक अगस्त को हुई मारपीट में गंभीर रूप से घायल रमेश गौतम की सोमवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। परिजन शव लेकर नेवढ़िया थाने पहुंच गए और मुकदमे में हत्या की धारा बढ़ाने के साथ आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। परिजनों के अनुसार, एक अगस्त को विपक्षी पक्ष के लोगों ने रमेश गौतम के साथ मारपीट की थी। घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनका उपचार चल रहा था। सोमवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मौत के बाद परिजन शव लेकर थाने पहुंचे और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन शव लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय जौनपुर की ओर रवाना हो गए। परिजनों का आरोप है कि बनेवरा गांव के पास पुलिस ने उनके वाहन को रोक दिया, जिससे सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना पर मड़ियाहूं सीओ विजय चौधरी समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। काफी देर की बातचीत के बाद परिजन शांत हुए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मामले में आवश्यक धाराएं बढ़ाई जाएंगी और नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना को लेकर गांव में तनाव बना हुआ है।

सात समंदर पार गूंजा काशी का लोकस्वर

-सुरेश गांधी

वाराणसी। सात समंदर पार...महाद्वीपों की दूरी लांघकर जब कजरी की तान उठी, सोहर के बोल गूंजे और विवाह गीतों की मिठास मंच पर उतरी तो वह महज संगीत नहीं था। वह स्मृतियों का लौटना था। अपनी मिट्टी, अपने गांव, अपने संस्कार और उन रिश्तों का लौटना था जिन्हें पीढ़ियों और समुद्र भी पूरी तरह मिटा नहीं पाए। दक्षिण अमेरिका के सूरीनाम में पहली बार आयोजित Suriname Heritage Festival में वाराणसी की लोकगायिका एवं आकाशवाणी-दूरदर्शन की ए-ग्रेड कलाकार सरोज वर्मा के नेतृत्व में पहुंचे 10 सदस्यीय भारतीय सांस्कृतिक दल ने भोजपुरी लोकसंगीत और लोकनृत्य के माध्यम से इसी जीवित सांस्कृतिक रिश्ते को स्वर दिया। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR) के माध्यम से आमंत्रित दल ने 17 से 24 अगस्त तक सूरीनाम की सांस्कृतिक यात्रा की। पांच दिनों की प्रस्तुतियों में भोजपुरी की विविध लोकविधाओं ने स्थानीय दर्शकों से ऐसा संवाद बनाया, जिसमें भाषा की सीमाएं पीछे छूट गईं और भाव सीधे दिल तक पहुंचे।

सूरीनाम भारत से हजारों किलोमीटर दूर है, लेकिन वहां की सांस्कृतिक स्मृतियों में उत्तर भारत आज भी कहीं न कहीं सांस लेता है। भारतीय मूल के लोगों के बीच भोजपुरी और अवधी से जुड़ी भाषाई-सांस्कृतिक परंपराएं पीढ़ियों से अपना अस्तित्व बनाए हुए हैं। सरनामी हिंदुस्तानी में भी इन भाषाई परंपराओं की छाप दिखाई देती है। ऐसे में जब भारतीय दल ने कजरी, सोहर, विवाह गीत और भजन प्रस्तुत किए तो अनेक लोगों के लिए यह किसी विदेशी मंच पर हुआ कार्यक्रम भर नहीं रहा। गीतों के बोल उन्हें अपनी पारिवारिक

स्मृतियों, पुरखों और सांस्कृतिक जड़ों तक ले गए। यहीं लोकसंस्कृति की सबसे बड़ी ताकत है-वह शब्दों से पहले स्मृतियों में उतरती है।

माता गौरी से शुरू हुआ लोकसुरों का सफर

19 अगस्त को माता गौरी में भारतीय दल की प्रस्तुतियों का आगाज हुआ। सरोज वर्मा ने कजरी, सोहर, विवाह गीत और भजन प्रस्तुत किए। पांच संगीतकारों और चार लोकनृत्य कलाकारों ने संगीत और नृत्य के माध्यम से भोजपुरी लोकजीवन के विविध रंग मंच पर उतारे। 20 अगस्त को Swami Vivekananda Cultural Centre (SVCC) में प्रस्तुति हुई। यहां भोजपुरी लोकसंगीत और लोकनृत्य के प्रति स्थानीय दर्शकों की उत्सुकता खास तौर पर दिखाई दी। 21 अगस्त को Palmentuin (Palm Garden) में भारतीय लोकपरंपरा ने सूरीनाम की बहुरंगी सांस्कृतिक विरासत के बीच अपनी जगह बनाई। वहीं 22 अगस्त को District Commissioner's Office, Nickerie में प्रस्तुति के साथ कलाकारों को स्थानीय समुदाय के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को करीब से देखने का अवसर मिला।

23 अगस्त का दिन इस यात्रा का अलग ही पड़ाव रहा। SVCC में विशेष सांस्कृतिक कार्यशाला आयोजित हुई। यहां लोकगीतों को सिर्फ गाया नहीं गया, बल्कि उनके पीछे छिपे अर्थ, परंपरा और सामाजिक संदर्भ भी समझाए गए। सरोज वर्मा ने संस्कार गीतों और भोजपुरी लोकगीतों की सामाजिक भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। प्रतिभागियों ने गीतों के अर्थ और उनके सांस्कृतिक संदर्भों को समझने में सक्रिय रुचि दिखाई। यहां लोकसंगीत मनोरंजन से आगे बढ़कर संस्कृति की पाठशाला बन गया।

कजरी में सावन, सोहर में जन्म, विवाह गीतों में रिश्ते

भारतीय दल के कार्यक्रमों में शामिल लोकविधाएं भोजपुरी समाज के जीवन का पूरा कैनवास अपने भीतर समेटे थीं। कजरी में ऋतु और विरह का भाव था, सोहर में जन्म की खुशी, विवाह गीतों में पारिवारिक उल्लास और भजनों में आस्था का स्वर। यानी इन गीतों में केवल सुर नहीं थे, बल्कि भारतीय लोकजीवन का वह दर्शन था जो जन्म से विवाह और ऋतु से भक्ति तक जीवन के हर पड़ाव को संगीत से जोड़ता है।

Suriname Heritage Festival का पहला संस्करण अपने आप में महत्वपूर्ण था। सूरीनाम की पहचान को गढ़ने वाले विभिन्न समुदायों की सांस्कृतिक परंपराएं एक ही मंच पर दिखाई दीं। हिंदुस्तानी, अफ्रीकी एवं मैरून, जावानीज, चीनी और डच समुदायों की विरासतों के बीच भारतीय दल ने उत्तर भारत की भोजपुरी लोकपरंपरा का प्रतिनिधित्व किया। यहां भोजपुरी किसी एक क्षेत्र की बोली भर नहीं रही।

शॉपर्स स्टॉप ने अपने प्रीमियम वॉच पोर्टफोलियो को मजबूत किया

मुंबई। भारत के प्रमुख प्रीमियम फैशन, ब्यूटी और गिफ्टिंग डेस्टिनेशन शॉपर्स स्टॉप ने अपने वॉच पोर्टफोलियो में स्विस घड़ी निर्माता मिलस और एयरोवॉच को शामिल किया है। यह कंपनी की प्रीमियम सेगमेंट में लगातार आगे बढ़ने की कोशिश का हिस्सा है। भारत में मिलस की घड़ियां केवल शॉपर्स स्टॉप पर उपलब्ध होंगी। वहीं, एयरोवॉच इस रिटेलर के साथ हुई खास साझेदारी के जरिए भारतीय बाजार में उतर रहा है। कंपनी की योजना इन घड़ियों को प्रमुख महानगरों में उपलब्ध कराने की है। इस लॉन्च के साथ शॉपर्स स्टॉप ने भारतीय ग्राहकों तक अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स और खास अनुभव पहुंचाने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। विरासत, बारीक कारीगरी और अपनी अलग पहचान वाले प्रोडक्ट्स की मांग बढ़ने के साथ घड़ियां अब निजी स्टाइल और आकांक्षा, दोनों को जाहिर करने का बड़ा जरिया बन रहा हैं। शॉपर्स स्टॉप ने पिछले कुछ समय में बोम एंड मर्सियर, टिसो, विक्टोरिनॉक्स और रोमर जैसे प्रीमियम अंतरराष्ट्रीय वॉच ब्रांड्स को अपने पोर्टफोलियो में शामिल कर इसे लगातार बढ़ाया है। मिलस और एयरोवॉच के जुड़ने से शॉपर्स स्टॉप के ग्राहकों को ऐसे स्विस घड़ी ब्रांड्स की घड़ियां उपलब्ध होंगी, जो अपने अलग इतिहास, अपनी डिजाइन सोच और घड़ी बनाने की महारत के लिए जाने जाते हैं। इस लॉन्च पर शॉपर्स स्टॉप के कस्टमर केयर एसोसिएट, एमडी एंड सीईओ, कविंद्र मिश्रा ने कहा, 'शॉपर्स स्टॉप में हमारा फोकस ऐसे प्रीमियम ब्रांड्स के पोर्टफोलियो को तैयार करने पर है, जो भारतीय उपभोक्ताओं की बदलती आकांक्षाओं से जुड़ते हैं। हम ऐसे ब्रांड्स के प्रति ग्राहकों की बढ़ती पसंद देख रहे हैं, जो विरासत, बेहतरीन कारीगरी और विशिष्ट डिजाइन का मेल पेश करते हैं।

तीन राज्यों की 3 लाख महिलाओं को मिलेगा आसान व किफायती ऋण

मुंबई। यूनाइटेड वे मुंबई, विमेंस वर्ल्ड बैंकिंग और एचएसबीसी इंडिया ने ग्रामीण भारत में महिला सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के विकास को प्रोत्साहित करने और उन्हें सशक्त बनाने के उद्देश्य से महाराष्ट्र, असम और बिहार की 3,00,000 महिलाओं को समय पर और किफायती ऋण उपलब्ध कराने के लिए हाथ मिलाया है। यह पहल भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) और संबंधित राज्य ग्रामीण आजीविका मिशनों के साथ घनिष्ठ सहयोग में शुरू की जा रही है, जो उद्यम निर्माण और विकास को आगे बढ़ाएगी। सिडबी की 'प्रयास इंडिविजुअल एंटरप्राइज स्कीम' (IES) के अनुभवों को साझा करने और ग्रामीण महिलाओं के लिए एंटरप्राइज क्रेडिट के विस्तार के रास्ते तलाशने के लिए मुंबई में एक सम्मेलन का आयोजन किया गया था। 'प्रयास' महिलाओं के लिए, महिलाओं द्वारा क्रेडिट मॉडल पर आधारित है, जो स्वयं सहायता समूहों की व्यक्तिगत महिलाओं को महिला संचालित समुदाय-आधारित संगठनों के माध्यम से 50,000 रुपये से 2,00,000 रुपयों तक का गारंटी-मुक्त ऋण प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। ये संगठन ऋण वितरण, सेवा और वसूली के लिए जिम्मेदार भागीदार संस्थाओं के रूप में कार्य करते हैं। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय और राज्य ग्रामीण आजीविका मिशनों (जैसे महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन - MSRLM, महिला आर्थिक विकास महामंडल - MAVIM), समुदाय-आधारित संगठनों, विकास सहयोगियों और महिला उद्यमियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उन्होंने 'प्रयास' की यात्रा पर मंथन किया और ग्रामीण भारत में महिला सूक्ष्म व लघु उद्योगों के विकास के लिए किफायती ऋण तक पहुँच सुधारने की इसकी क्षमताओं पर चर्चा की। एचएसबीसी इंडिया के जुड़ाव पर बोलते हुए, एचएसबीसी इंडिया की एमडी और हेड ऑफ सस्टेनेबिलिटी, अलोका मजूमदार ने कहा, ₹हम महिला उद्यमियों के लिए ज्ञान, क्षमता, पूंजी और नेटवर्क तक पहुँच का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो हमारा मानना है कि टिकाऊ उद्यमों को विकसित करने के लिए मौलिक हैं। पिछले एक दशक में, भारत सरकार की पहलों ने बैंक खातों और डिजिटल भुगतानों के विस्तार के माध्यम से वित्तीय समावेशन को गति दी है, जिससे औपचारिक वित्त महिलाओं के अधिक करीब आया है।

11 सितंबर को खुलेगा मणिका प्लास्टेक लिमिटेड का आईपीओ

मुंबई। मणिका प्लास्टेक 11 सितंबर को अपने इक्विटी शेयरों के आईपीओ के लिए बोली/ऑफर शुरू करेगी। ऑफर का प्राइस बैंड 40 से 43 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। कम से कम 348 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगाई जा सकती है और उसके बाद 348 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल में बोली लगाई जा सकती है। एंकर इन्वेस्टर के लिए बोली लगाने की तारीख 10 सितंबर होगी। बोली/ऑफर 11 सितंबर को खुलेगा और 16 सितंबर को बंद होगा। इस ऑफर में 92.5 करोड़ तक का फ्रेश इश्यू और 7,674,418 इक्विटी शेयरों तक का ऑफर फॉर सेल (ऑफर फॉर सेल) शामिल है। प्रत्येक इक्विटी शेयर की फेस वैल्यू 2 है। इस रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के जरिए ऑफर किए जाने वाले इक्विटी शेयरों को इरए लिमिटेड और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और इरए के साथ मिलकर, स्टॉक एक्सचेंज) पर लिस्ट करने का प्रस्ताव है। ऑफर के मकसद से, इरए को डेज़िग्नेटेड स्टॉक एक्सचेंज बनाया गया है।

इंडियाज बेस्ट टीचर्स अवॉर्ड्स 2026 में 16 शिक्षक विजेता घोषित

मुंबई /नई दिल्ली। देशभर के 16 शिक्षकों को शिव नाडर फाउंडेशन-ऑक्सफोर्ड सईद इंडियाज बेस्ट टीचर्स अवॉर्ड्स 2026 का विजेता चुना गया है। पुरस्कार के पहले संस्करण में देश के 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 9,400 से अधिक पंजीकरण मिले थे। विजेताओं की घोषणा शुक्रवार को शिव नाडर यूनिवर्सिटी, दिल्ली-एनसीआर में आयोजित राष्ट्रीय फाइनल में की गई। देशभर से चुने गए 79 शिक्षकों ने जूरी के सामने अपनी शिक्षण पद्धतियों, कक्षा में किए गए नए प्रयोगों और विद्यार्थियों पर उनके प्रभाव से जुड़े परिणाम प्रस्तुत किए। यह पुरस्कार कक्षा 9 से 12 तक पढ़ाने वाले शिक्षकों को आठ विषयों में दिया गया। इनमें बिजनेस स्टडीज एवं एंटरप्रेन्योरशिप, कंप्यूटर साइंस, इकोनॉमिक्स, इंग्लिश, एनवायरनमेंटल साइंस, जियोग्राफी, मैथमेटिक्स और फिजिक्स शामिल हैं। प्रत्येक विषय में एक सरकारी और एक निजी स्कूल के शिक्षक को राष्ट्रीय विजेता चुना गया। इस तरह आठ विषयों में कुल 16 शिक्षक विजेता बने। शिक्षकों के चयन में उनकी शैक्षणिक योग्यता या सेवा अवधि के बजाय कक्षा में उनके काम की गुणवत्ता और विद्यार्थियों पर उसके असर को प्राथमिकता दी गई। शिक्षकों को विषय की समझ, पढ़ाने के तरीके, विद्यार्थियों की प्रगति का आकलन और उन्हें दी जाने वाली प्रतिक्रिया, सभी विद्यार्थियों को साथ लेकर चलने, कक्षा में विद्यार्थियों की भागीदारी, सीखने के परिणामों और उनकी शिक्षण पद्धति को दूसरे स्कूलों में अपनाए जाने की संभावना जैसे मानकों पर परखा गया। राष्ट्रीय फाइनल में 79 शिक्षकों का मूल्यांकन विषयवार जूरी ने किया। इसमें ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के शिक्षाविदों, भारत के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षाविदों और शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों को शामिल किया गया था। प्रत्येक शिक्षक ने अपनी शिक्षण पद्धति और विद्यार्थियों पर उसके प्रभाव से जुड़े प्रमाण प्रस्तुत किए। इसके बाद जूरी ने शिक्षकों से सवाल किए और अंतिम मूल्यांकन के आधार पर विजेताओं का चयन किया।

आसुस ने राजीव तलरेजा को MSME सेक्टर के लिए मेंटॉर नियुक्त किया

मुंबई। आसुस इंडिया को यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि MSME एक्सपर्ट और QUANTUM LEAP के फाउंडर राजीव तलरेजा, MSME सेगमेंट के MENTOR हैं, ताकि इसके एक्सपर्ट सीरीज PCs के 'बिल्ट फॉर वरी-फ्री बिजनेस' वादे को और मजबूत किया जा सके। भारत के दूसरे सबसे बड़े रोजगार देने वाले सेक्टर और एक बड़े इकॉनमिक इंजन के तौर पर, MSMEs तेजी से बढ़ रहे हैं। इस रफ़्तार को बनाए रखने के लिए, बिजनेस मालिकों को एंटरप्राइज वर्कलोड के लिए डिजाइन किए गए खास ढउ२ अपनाकर रोजाना की टेक दिक्कतों को खत्म करना होगा, इससे प्रोडक्टिविटी और कोलेबोरेशन बढ़ेगा। राजीव तलरेजा MSMEs की सबसे बड़ी आवाज हैं और MSME फाउंडर्स की मुख्य ऑपरेशनल जरूरतों को अच्छी तरह समझते हैं। QUANTUM LEAP की ट्रेनिंग और कोचिंग के जरिए 12 लाख से ज्यादा बिजनेस मालिकों को ट्रेन करने के बाद, उन्हें इकोसिस्टम की गहरी समझ है जो आसुसके टरटए की सफलता के कमिटमेंट से पूरी तरह मेल खाता है। पिछले साल की शुरूआत में, आसुसने मार्केट में एक बड़ी कमी को पहचाना कि छोटे बिजनेस और प्रोफेशनल्स को बिजनेस ग्रेड लैपटॉप की जरूरत थी, लेकिन उन्हें बेहतर ऑप्शन के बारे में ज्यादातर पता नहीं था।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने होम लोन जागरूकता अभियान का आयोजन किया

मुंबई। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 4 सितंबर, 2026 को वालचंद हीराचंद हॉल, आईएमसी चैंबर ऑफ कॉमर्स, मुंबई में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस), निम्न आय समूहों (एलआईजी) और मध्यम आय समूहों (एमआईजी) को लक्षित करते हुए होम लोन जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस अवसर पर बैंक के श्री एस रामसुब्रमणियन, कार्यपालक निदेशक, बी पी दास, मुख्य महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, मुंबई, डॉ. रेणु के नायर, महाप्रबंधक, खुदरा आस्ति वर्टिकल, अश्विनी कुमार सिन्हा, क्षेत्र प्रमुख, क्षेका, मुंबई (दक्षिण) और बैंक के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। यह अभियान 'अपना घर, अपना सपना' (Our Home, Our Dream) विषय के तहत आयोजित किया गया था - यह पहल संभावित घर खरीदारों को सीधे सुलभ होम लोन

दिलाने पर केंद्रित है।

इस कार्यक्रम में 15 बिल्डरों के प्रतिनिधियों और 300 से अधिक घर खरीदने के इच्छुक लोगों ने भाग लिया। कुछ होम लोन आवेदकों को सिद्धांतः स्वीकृति पत्र भी जारी किए गए थे। इस अवसर पर बैंक के एस रामसुब्रमणियन, कार्यपालक निदेशक ने आस्ति निर्माण के माध्यम से वित्तीय समावेशन के लिए बैंक की प्रतिबद्धता और शहरी आवास आवश्यकताओं को पूरा करने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की भूमिका पर जोर दिया। बी पी दास, मुख्य महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, मुंबई ने उपस्थितों का स्वागत किया और मुंबई क्षेत्र में बैंक के स्थानीय आउटरीच प्रयासों को रेखांकित किया। डॉ. रेणु के नायर, महाप्रबंधक, खुदरा आस्ति वर्टिकल ने विशेष ऋण अभियान की विशेषताओं को प्रस्तुत किया और प्रसंस्करण शुल्क में छूट, लचीले लेन-देन आधारित आय मूल्यांकन, प्रतिस्पर्धी क्रेडिट-स्कोर से जुड़ी ब्याज दरों और घर की मरम्मत और नवीनीकरण के लिए वित्तपोषण विकल्पों जैसे विभिन्न अन्य लाभों और सुविधाओं के बारे में बताया। अश्विनी कुमार सिन्हा, क्षेत्र प्रमुख, क्षेका, मुंबई (दक्षिण) ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

जन संदेश पार्टी को मजबूत करने पर मंथन

के.डी. सिंह यादव ने तीरथ सिंह यादव को प्रदेश स्तर पर जिम्मेदारी देने की जताई इच्छा

प्रयागराज। सिविल लाइंस स्थित अंबर कैफे में जन संदेश पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के.डी. सिंह यादव से मुंबई से आए समाजसेवी एवं पत्रकार आचार्य सूरजपाल यादव ने मुलाकात की। इस दौरान सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों के साथ समाज को संगठित करने और पार्टी के विस्तार को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में खेड़ुआ, बरावां ग्रामप्रधान तीरथ सिंह यादव, एडवोकेट मोहम्मद सैफ तथा प्रमोद भारतीय भी मौजूद रहे। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के.डी. सिंह यादव ने समाज को एकजुट कर युवाओं और आम लोगों को संगठन से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने ग्रामप्रधान तीरथ

सिंह यादव की सामाजिक सक्रियता को देखते हुए उन्हें प्रदेश स्तर पर पार्टी में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने की इच्छा भी व्यक्त की। के.डी. सिंह यादव ने कहा कि जन संदेश पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी का विस्तार उत्तर प्रदेश के 18 जिलों के साथ ही अन्य राज्यों में भी तेजी से हो रहा है। उन्होंने कार्यकताओं से आपसी समन्वय के साथ संगठन को मजबूत करने और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने सामाजिक एकता, युवाओं की भागीदारी और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर भी विचार-विमर्श किया ।

राहुल द्रविड़ बने विजय सेल्स के ब्रांड एंबेसडर

मुंबई। देश की प्रमुख ओम्नीचैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन विजय सेल्स ने भारतीय क्रिकेट के दिग्गज राहुल द्रविड़ को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की है। इस साझेदारी के जरिए ऐसे दो नाम एक साथ आए हैं, जिन पर भारतीयों की पीढ़ियों ने भरोसा किया है। एक ओर तकनीकी उत्पादों के क्षेत्र में विजय सेल्स की पहचान है, तो दूसरी ओर राहुल द्रविड़ को ईमानदारी, निरंतरता और भरोसे का प्रतीक माना जाता है। पांच दशकों से अधिक समय से विजय सेल्स भारतीय परिवारों के लिए सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान नहीं रहा है। परिवारों को उनका पहला टेलीविजन या फ्रिज चुनने में मदद करने से लेकर हर नए अपग्रेड तक, कंपनी ने सामान बेचने भर के बजाय सही सलाह और भरोसेमंद अनुभव देने पर जोर दिया है। भरोसे, विश्वसनीयता और सच्ची सलाह की यही सोच कंपनी के 'डिलीवरिंग अपनापन' वाले वादे में दिखती है। राहुल द्रविड़ की सादगी, साख और शांत आत्मविश्वास उन्हें इस सोच के साथ सहज रूप से जोड़ते हैं। अलग-अलग पीढ़ियों और देश के अलग-अलग हिस्सों में उनकी लोकप्रियता इस साझेदारी को और खास बनाती है।

इस अवसर पर विजय सेल्स के डायरेक्टर निलेश गुप्ता ने कहा, विजय सेल्स हमेशा रिश्तों पर खड़ा रहा है, सौदों पर नहीं। ग्राहक की जरूरत समझना, उसे सही सलाह देना और खरीदारी के बाद भी उसके साथ खड़े रहना, भरोसे और अपनेपन की यही भावना पांच दशकों से हमारी पहचान रही है। राहुल द्रविड़ इन्हीं मूल्यों को इतनी सच्चाई के साथ सामने रखते हैं कि पूरे भारत के लोग उनसे जुड़ जाते हैं। इसीलिए विकास के अगले दौर में कदम रखते हुए ब्रांड का चेहरा बनने के लिए वे सबसे स्वाभाविक साथी हैं। विजय सेल्स के साथ अपनी साझेदारी पर राहुल द्रविड़ ने कहा, कुछ ब्रांड लोगों की जिंदगी का हिस्सा सिर्फ इसलिए नहीं बनते कि वे क्या बेचते हैं, बल्कि इसलिए बनते हैं कि उन्होंने कैसा भरोसा बनाया है। विजय सेल्स ने दशकों से भारतीय परिवारों के साथ ऐसा ही रिश्ता कायम किया है। 'डिलीवरिंग अपनापन' के पीछे छिपी सादगी और अपनापन मुझे विशेष रूप से पसंद आया। विजय सेल्स के साथ जुड़कर मैं बेहद खुश हूं और आगे के इस सफर का हिस्सा बनने का इंतजार कर रहा हूं। यह साझेदारी ऐसे समय में हुई है जब विजय सेल्स अपने ओम्नीचैनल कारोबार को लगातार मजबूत कर रहा है। कंपनी अपने स्टोर्स की विशेषज्ञता और यकीन को ऑनलाइन खरीदारी की सुविधा के साथ जोड़ने पर जोर दे रही है। टीवी, डिजिटल, सोशल मीडिया, स्टोर और दूसरे तमाम माध्यमों पर फैले कंपनी के आने वाले 360-डिग्री प्रचार अभियान में राहुल द्रविड़ प्रमुखता से नजर आएंगे। साल भर चलने वाले बड़े प्रोडक्ट कैटेगरी और त्योहारी कैंपेन में भी वही ब्रांड का चेहरा रहेंगे। विजय सेल्स का मानना है कि तकनीक लगातार बदल सकती है, लेकिन ग्राहक के साथ भरोसा, रिश्ता और अपनापन हमेशा महत्वपूर्ण रहेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 8 सितंबर को वडोदरा दौरा

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वडोदरा दौरे से पहले, वडोदरा नगर निगम ने पूरे शहर में बड़े पैमाने पर स्वच्छता और पर्यावरण अभियान शुरू किया है। इसमें हजारों नागरिकों, सफाई कर्मचारियों, अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, शैक्षणिक संस्थानों और गैर-सरकारी संगठनों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 सितंबर को वडोदरा का दौरा करने वाले हैं, जहां वे गुजरात में 35,200 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। वह शहर में 'नमो 4 विकसित भारत' कार्यक्रम को भी संबोधित करेंगे। इस दौरे के लिए गुजरात सरकार की विशेष 'स्वच्छता से स्वागत' पहल के तहत चलाए जा रहे इस स्वच्छता अभियान में सार्वजनिक स्थानों, झीलों, बगीचों, स्वास्थ्य एवं बाल देखभाल केंद्रों, विरासत स्थलों, जल निकायों और शहर के अन्य हिस्सों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। 1 से 4 सितंबर तक चले इस अभियान में शहर भर में व्यापक भागीदारी देखी गई। 1 सितंबर को कमला नगर झील और उसके आसपास के इलाकों में स्वच्छता अभियान में 16,000 से अधिक नागरिकों ने भाग लिया, जबकि 19 वार्डों में स्वच्छता गतिविधियों में 24,000 लोग शामिल हुए। इस कार्य के लिए मैकेनिकल स्वीपर, सेल्फ-प्रोपेल्ड

स्वीपिंग मशीन, डोर-टू-डोर कलेक्शन व्हीकल, ई-व्हीकल, जेसीबी और डंपर सहित लगभग 300 मशीनों और वाहनों को तैनात किया गया था। पर्यावरण जागरूकता अभियान के तहत वृक्षारोपण और पौधों का वितरण भी किया गया। 2 सितंबर को VMC ने इस अभियान को आंगनवाड़ी केंद्रों और शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक बढ़ाया। लगभग 3,000 लोगों की भागीदारी के साथ 30 आंगनवाड़ी केंद्रों में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

3 सितंबर को यह अभियान शहर की विरासत और सांस्कृतिक परिसंपत्तियों पर केंद्रित रहा। करोड़िया बावड़ी में स्वच्छता अभियान में लगभग 1,200 लोगों ने भाग लिया, जबकि सभी 19 वार्डों में स्वच्छता गतिविधियों में 25,000 से अधिक नागरिकों ने हिस्सा लिया। इस अभियान ने करोड़िया बावड़ी और शहर के अन्य स्थानों में लगभग 47 किलोमीटर के दायरे को कवर किया। 2,400 से अधिक पौधे लगाए गए और बांटे गए, जबकि 320 मशीनों और वाहनों को तैनात किया गया। इस अभियान का उद्देश्य विरासत स्थलों, बावड़ियों और अन्य सांस्कृतिक स्थानों पर विशेष जोर देते हुए स्वच्छता और सौंदर्यीकरण को पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़ना था। 4 सितंबर को वडोदरा की प्राकृतिक और मनोरंजक परिसंपत्तियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अभियान जारी रहा। गोत्री झील व गार्डन और कमला नगर झील व गार्डन क्षेत्र में स्वच्छता गतिविधियों में लगभग 1,200 लोगों ने भाग लिया। कांवड़ यात्रा मार्ग पर लगभग 80 किलोमीटर के दायरे में स्वच्छता अभियान में करीब 12,000 प्रतिभागी शामिल हुए, जबकि अन्य 25,000 नागरिकों ने सभी 19 वार्डों में अभियानों में भाग लिया। इस दिन की गतिविधियों में कुल मिलाकर लगभग 140 किलोमीटर का दायरा कवर किया गया और 380 मशीनें व वाहन तैनात किए गए।

स्टीमहाउस इंडिया लिमिटेड का आईपीओ खुलेगा 9 सितंबर को

- स्टीमहाउस इंडिया लिमिटेड के 2 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर का मूल्य दायरा 77 से 81 रुपये तय किया गया है।

मुंबई। स्टीमहाउस इंडिया लिमिटेड अपने 2 रुपये अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयरों की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) 9 सितंबर 2026, बुधवार को खोलने जा रही है। एंकर निवेशकों के लिए बोली 8 सितंबर 2026, मंगलवार को खुलेगी, जो आईपीओ खुलने की तारीख से एक कार्य दिवस पहले है। बोलीध्ऑफर 11 सितंबर 2026] शुक्रवार को बंद होगा।

आईपीओ का मूल्य दायरा 77 रुपये से 81 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। निवेशक न्यूनतम 185 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं और इसके बाद 185 शेयरों के गुणकों में बोली लगाई जा सकेगी। कुल 414 करोड़ रुपये के इस आईपीओ में 353

करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर जारी करना (फ्रेश इश्यू) और 61 करोड़ रुपये तक का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है। ओएफएस के तहत बिक्री करने वाला शेयरधारक अपने शेयर बेचेगा। कंपनी आईपीओ से प्राप्त शुद्ध राशि का इस्तेमाल कई उद्देश्यों के लिए करेगी। इसमें कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया कर्जों के पुनर्भुगतान या समय से पहले भुगतान के साथ.साथ बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए पूंजीगत खर्च शामिल है। इसमें अंकलेश्वर संयंत्र के फेज.3 और पनोली संयंत्र के फेज.2 का क्षमता विस्तार भी शामिल है। इसके अलावा, कंपनी दहेज जीआईडीसी में स्टीम उत्पादन के लिए नई विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के फेज.2 पर पूंजीगत खर्च करेगी। शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। स्टीमहाउस इंडिया लिमिटेड एक भारतीय कंपनी है, जो अपने पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से औद्योगिक गैसों, खासकर स्टीम और नाइट्रोजन, के उत्पादन और केंद्रीकृत वितरण का कारोबार करती है। कंपनी और उसके प्रमोटर भारत में कम्युनिटी बॉयलर सिस्टम के अग्रदूत हैं। इसे पहली बार वर्ष 2014 में पेश किया गया था। कंपनी की सामुदायिक औद्योगिक गैस उत्पादन एवं वितरण प्रणाली पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से विभिन्न औद्योगिक ग्राहकों तक गैस पहुंचाती है। इससे प्रत्येक ग्राहक को अपने स्तर पर अलग गैस उत्पादन एवं वितरण बुनियादी ढांचा स्थापित करने की जरूरत नहीं पड़ती। स्टीमहाउस के औद्योगिक गैस कारोबार में स्टीम का उत्पादन एवं वितरणए स्टीम की खरीद एवं वितरण तथा नाइट्रोजन का पृथक्करणए संपीड़न एवं वितरण शामिल है। कंपनी ने फरवरी 2025 में अपने अंकलेश्वर संयंत्र में वितरित पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से नाइट्रोजन की आपूर्ति के लिए अपनी पहली सुविधा शुरू की थी। यह आईपीओ एससीआरआर के नियम 19(2) बी और सेबी आईसीडीआर विनियमों के विनियम 31 के तहत पेश किया जा रहा है। ऑफर बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। सेबी आईसीडीआर विनियमों के अनुसार आईपीओ के 50 प्रतिशत से अधिक हिस्से को योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के लिए आनुपातिक आधार पर आवंटन हेतु उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। कंपनी, बुक रनिंग लीड मैनेजर (बीआरएलएम) के साथ परामर्श के बादए क्यूआईबी हिस्से के अधिकतम 60 प्रतिशत तक हिस्से को एंकर निवेशकों को विवेकाधीन आधार पर आवंटित कर सकती है। एंकर निवेशक हिस्से में से 33.33 प्रतिशत घरेलू म्यूचुअल फंडों और 6.67 प्रतिशत जीवन बीमा कंपनियों तथा पेंशन फंडों के लिए आरक्षित रहेगा।